www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 96 || लखनऊ
सोमवार
06 जुलाई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:17
सूर्यास्तः 07:03
अधिकतमः 36.00
न्यूनतमः 29.00

पेज 07

विशेष समाचार | भारत-पाक में शांति वार्ता के लिए ... >> पेज 04 | पुलिस के सामने महिला ने... >>पेज 06 | गौरव खन्ना से शादी से पहले ...

डिलीट सीसीटीवी पुलिस ने रिकवर किए, जेल में 5 आरोपियों से पुलिस की पूछताछ

राममंदिर चोरी : मोजे में नोट छिपाकर ले जाते थे आरोपी

जिन आरोपियों से रविवार को पूछताछ होनी हैं, उनमें रमाशंकर मिश्रा, मनीष यादव, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा और करुणेश पांडेय शामिल हैं। इधर, अयोध्या जेल में शनिवार को सभी आरोपियों को अलग-अलग बैरक में शिफ्ट कर दिया गया है। पहले सभी एक बैरक में थे।

1 साल पुराना डेटा रिकवर, चैट्स से खुला 2 करोड़ की चोरी का राज

बृजभूषण बोले- राष्ट्रपति-पीएम आवास जैसी हो अयोध्या की सुरक्षा

गोंडा में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने रविवार सुबह 11.30 बजे मीडिया से बात की। बृजभूषण ने कहा- अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था पार्लियामेंट, राष्ट्रपति भवन या पीएम हाउस की तर्ज पर होनी चाहिए। अयोध्या में दान चोरी के मामले पर शिवपाल यादव ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि चंदा चोरी में केवल छोटे लोगों पर कार्रवाई हो रही है।

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी मोजों और जेब में नोट छिपाकर ले जाते थे। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने एक्सपर्ट की मदद से डिलीट किए गए CCTV फुटेज रिकवर कर लिए हैं। फुटेज में कुछ लोग मोजों और जेब में नोट छिपाकर ले जाते दिख रहे हैं। हालांकि, वीडियो अभी साफ नहीं है। इसलिए उनकी पहचान नहीं हो सकी है।

पुलिस फुटेज की क्वालिटी बेहतर कराने में जुटी है। इधर, पुलिस रविवार दोपहर 1.50 बजे जेल पहुंची। राम मंदिर चोरी के 8 आरोपी जेल में बंद हैं। चढ़ावा चोरी के 3 आरोपियों से पुलिस पहले ही पूछताछ कर चुकी है। पुलिस को शंका थी कि ये सभी आपस में मारपीट कर सकते हैं या कोई साजिश रच सकते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

विहिप अध्यक्ष ने लिखी चिट्ठी, बोले- प्रियंका-केजरीवाल के बयान दर्ज हों

राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस में विश्व हिंदू परिषद (VHP) अध्यक्ष आलोक कुमार ने इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर (IO) को चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी, सपा सांसद रामगोपाल यादव और आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल, आप सांसद संजय सिंह के नाम और चढ़ावा चोरी पर उनके दावों के बारे में बताया गया है। उन्होंने पुलिस ने मांग की है कि इन लोगों को बुलाकर बयान दर्ज किए जाएं, आरोपों के संबंध में सबूत लिए जाएं। अगर सबूत न मिलें तो कार्रवाई की जाए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर शनिवार को पहली बार बयान दिया। उन्होंने लखनऊ में कहा- जो हुआ, वह गलत है। इससे जनता में गलत संदेश गया है। यह विपरीत परिस्थिति है। विपक्ष को मुद्दा मिल गया है।

'प्रियंका गांधी-केजरीवाल के बयान दर्ज हों', विहिप अध्यक्ष ने बताया ऐसा क्यों कहा

VHP के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा- प्रियंका गांधी, अरविंद केजरीवाल, रामगोपाल यादव और संजय झा जैसे नेताओं ने चढ़ावा चोरी पर बड़े-बड़े दावे की हैं। अगर इन लोगों के बयान दर्ज किए जाएं, सबूत मांगे जाएं तो जांच में बहुत सहायता हो जाएगी। प्रो. राम गोपाल यादव ने कहा कि ये 20,000 करोड़ से ज्यादा का घपला है। प्रियंका गांधी ने कहा है कि हजारों-करोड़ों का चढ़ावा आता है, लेकिन हमारी जानकारी में ऐसा नहीं है। ये बड़े लोग हैं, पढ़े-लिखे लोग हैं, बड़े पदों पर लंबे समय से बने हुए हैं तो ये लोग किसी न किसी आधार पर ये बात कह रहे होंगे। मैंने समझा कि यदि पुलिस उनसे पूछे कि उनके पास इन बयानों को लेकर जो सबूत हैं, जानकारी है या गवाह हैं, उसे बताएं ताकि उसे शामिल करके ये जांच पूर्ण की जा सके। इसलिए मैंने ऐसा कहा है।

पहली बार राममंदिर की बैठक लीड नहीं करेंगे चंपत राय

अयोध्या श्रीराम ट्रस्ट की 6 जुलाई को होने वाली बैठक कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि लीड करेंगे। बैठक मणिराम दास छावनी में अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की अध्यक्षता में होगी। बतौर ट्रस्टी चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा को भी इस बैठक में बुलाया गया है। इसमें ट्रस्ट के सदस्य बहुमत के आधार पर निर्णय लेंगे कि महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर किया जाए या नहीं?

हमने कुर्बानी दी, आपने खून की नदियां बहाईं : नितिन नवीन

राम मंदिर पर अखिलेश को जवाब, केशव ने कहा- फिर योगी सरकार बनानी है

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राहुल-अखिलेश और अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा। रविवार को लखनऊ में उन्होंने कहा- हिंदू विरोधी ताकतें आज राजनीतिक रोटी सेंकना चाहती हैं। लेकिन राहुल-अखिलेश, केजरीवाल हिंदू धर्म को इतना कमजोर मत समझिएगा कि लोग आपके झांसे में आ जाएंगे। राम मंदिर के लिए हमारे पुरखों ने कुर्बानियां तक दी हैं। हमने जितनी कुर्बानी दी है, तुम्हारा खानदान तो कभी सोच नहीं सकता है। आपने तो खून की नदियां बहाई हैं। आपकी विरासत हिंदुओं पर गोलियां चलवाने की रही है। हमारी विरासत अपने देवी-देवताओं के आस्था के लिए कुर्बान होने की रही है। नितिन नवीन लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित शक्ति केंद्र सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव और ब्रजेश ने सीएम योगी की जमकर तारीफ की।

>> (शेष पेज 06 पर)

- डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में अपने आवास पर सीएम योगी का स्वागत किया।
- डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की पत्नी ने सीएम योगी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

पीओके में पाकिस्तानी फोर्स ने लोगों पर चलाईं गोलियां

पाकिस्तान सरकार के खिलाफ 40 हजार प्रदर्शनकारी जुटे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में रविवार को जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) के शांतिपूर्ण प्रदर्शन रैली पर पाकिस्तानी फोर्स ने गोलियां चला दीं। ANI की रिपोर्ट के मुताबिक, JAAC ने दावा किया कि अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में करीब 40 हजार लोग जुटे थे। संगठन का आरोप है कि डुडियाल के AMB इलाके में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बिना उकसावे के गोलीबारी की,

जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। हालांकि, घायलों की आधिकारिक संख्या या पाकिस्तान प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। JAAC का कहना है कि यह प्रदर्शन इस्लामाबाद सरकार के खिलाफ है। साथ ही, यह आंदोलन JAAC के नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी, प्रशासनिक विफलताओं और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर चल रहा है। संगठन ने गिरफ्तार नेताओं और कार्यकर्ताओं की तुरंत रिहाई की मांग की है। रिपोर्ट के अनुसार, डेरा इस्माइल खान में चल रहे धरना स्थल पर भी कई अलग-अलग इलाकों से लोगों के काफिले लगातार पहुंचते रहे। प्रदर्शन में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की भी बड़ी भागीदारी बताई गई। JAAC ने कहा कि रावलाकोट और चक की महिलाएं भी सड़कों पर उतरकर आंदोलन का नेतृत्व कर रही हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

पंडवानी गायिका तीजन बाई पंचतत्व में विलीन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई का निधन हो गया। वे 70 साल की थीं। उन्होंने शनिवार रात 3.15 बजे रायपुर एम्स में अंतिम सांस ली। भारतीय लोक कला में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

शिवपुरी में बने हथियार दुश्मन का सीना चीरेंगे : सिंधिया

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में 2500 करोड़ रुपए की अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास किया गया। फैक्ट्री में गोला-बारूद, हाईटेक हथियार, मिशन-रेडी मिसाइलें और हाईटेक डिफेंस प्रोडक्ट्स बनाए जाएंगे। मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में करीब 10 हजार लोगों को नौकरियां मिलेंगी। अदाणी समूह के डायरेक्टर जीत अदाणी ने कहा- समूह के चेयरमैन ने मध्य प्रदेश में 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की है। यह निवेश पंप हाइड्रो स्टोरेज, सीमेंट, माइनिंग, लॉजिस्टिक्स और थर्मल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा।

पंजाब में डिप्टी जेल सुपरिटेंडेंट गिरफ्तार

होशियारपुर। होशियारपुर की सेंट्रल जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट हरभजन सिंह को CIA स्टाफ ने गिरफ्तार कर लिया है। उनके साथ 11 लोग और पकड़े हैं। डिप्टी सुपरिटेंडेंट पर आरोप हैं कि वह कैदियों से जेल में नशा बिकवाते थे। जेल में बंद एक कैदी मनप्रीत मन्ना ने एक वीडियो जारी किया था जिसमें उसने दावा किया था कि उनसे नशा बिकवाने के साथ जेल में गलत काम हो रहे हैं।

महाराष्ट्र में वाटरफॉल में फंसे 100 टूरिस्ट

रस्सी के सहारे रेस्क्यू, वसई में 20 कारें डूबीं

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई/भोपाल/लखनऊ/पटना/जयपुर। देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में जेनिथ वाटरफॉल में अचानक पानी का लेवल बढ़ गया, जिसमें 100 टूरिस्ट फंस गए।

उन्हें रस्सी की मदद से निकाला गया। नालासोपारा में सड़क पर पानी भरने से 20 कारें उसमें डूब गईं। मुंबई में 64 पेड़ गिर गए और 8 मकानों की दीवारें ढह गईं।

मुंबई में अलग-अलग इलाकों में पेड़ गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली-NCR में रविवार को अचानक मौसम बदलने के बाद तेज हवा के साथ बारिश हुई। गुजरात के

जूनागढ़ में कई इलाकों में 4 फीट तक पानी भर गया। सड़क पर नाव चलानी पड़ रही है। भावनगर में एक कार पानी में बह गई। बिहार में मानसून एक्टिव है। कोसी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने के साथ कटाव शुरू हो गया है। तेज कटाव के कारण रविवार को खगड़िया जिले के शिशवा गांव के छह घर नदी में समा गए, जबकि कई अन्य मकान अभी भी कटाव के मुहाने पर हैं।

मुझे रोकना है तो मारना पड़ेगा : ममता

गद्दारी की भी सीमा होती है, बागी नेताओं को चुनौती- हिम्मत है तो भाजपा में शामिल हों

बगावत

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (TMC) में जारी बगावत के बीच ममता बनर्जी ने कहा कि पार्टी का चुनाव चिह्न कहीं नहीं जाएगा। अगर मुझे रोकना है तो मुझे मारना पड़ेगा। ममता ने बागी नेताओं को चुनौती देते हुए कहा, 'अगर हिम्मत है तो खुलकर BJP में शामिल हो जाओ। तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं? मैं जनता के बीच पार्टी का चुनाव चिह्न लेकर जाऊंगी, मेरी आवाज कोई नहीं दबा सकता।' उन्होंने आरोप लगाया कि बागी

नेता अब खुलकर BJP के लिए काम कर रहे हैं। ममता ने कहा, 'गद्दारी की भी एक सीमा होती है।' ममता का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पार्टी के 20 सांसद और 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। शनिवार को टीएमसी की पश्चिम बंगाल अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बाद में वह बागी गुट के नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी के साथ नजर आईं। पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि जिन नेताओं ने उनके पार्टी सिंबल पर चुनाव जीता, वही अब कह रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

ममता ने क्यों चुनौती दी

ममता का साथ छोड़कर अलग हुए बागी विधायक और सांसद फिलहाल भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं।

- 3 जून को TMC के 80 में से 58 विधायक ममता बनर्जी के नेतृत्व से अलग हो गए थे। उन्होंने अलग गुट बनाया, पार्टी सिंबल और नाम पर दावा किया।
- इसके अलावा 15 जून को टीएमसी के 20 सांसदों ने भी पार्टी छोड़कर त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (NCPI) में विलय कर लिया था।

ममता के पास अब 22 विधायक और 17 सांसद बचे

टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं। राज्यसभा की बात करें तो 13 में से 4 सांसद इस्तीफा दे चुके हैं यानी सिर्फ 9 राज्यसभा सांसद बचे हैं।

विधानसभा की बात करें तो टीएमसी ने इस बार के चुनाव में 80 सीटें जीती थीं। इसमें से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। ममता के पास सिर्फ 22 विधायक बचे हैं।

दो तिहाई सदस्य होने पर मिलती है अलग दल की मान्यता

बागी गुट के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 2 जुलाई को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिलकर खुद को असली TMC के रूप में मान्यता देने की मांग की थी।

आरोप : आतंकी हाफिज सईद-मकबूल भट को महान हस्ती बताया, भाजपा बोली- ये एकेडमिक जिहाद, बुक बैन करें

जम्मू-कश्मीर में सरकारी स्कूल की 2 किताबों पर विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी में खरीदी गई दो किताबों पर UAPA के तहत FIR दर्ज हुई है। इनमें मुंबई हमलों के मास्टर माइंड आतंकी हाफिज सईद और अलगा-ववादी नेता मकबूल भट को महान हस्तियां बताया गया है। विवादित किताबों में एक हिलाल अहमद और संतोष मीना की 'पर्सनैलिटीज एंड लीजेंड्स ऑफ J&K' है। इसे जम्मू की ओबेरॉय बुक सर्विस ने पब्लिश किया है। दूसरी सुशांत गिरी की ग्रेट पर्सनैलिटी ऑफ जम्मू-कश्मीर है, जिसे दिल्ली के अनुराग प्रकाशन ने पब्लिश किया है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर पीपुल्स फोरम (JKPF) ने बुक का

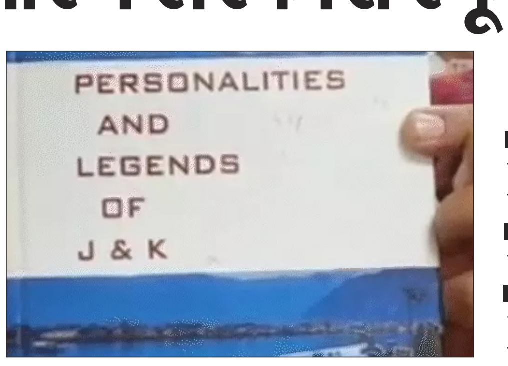

वीडियो शेयर कर आरोप लगाया था कि बुक में मकबूल भट को शहीद और सैयद अली शाह गिलानी, शब्बीर शाह व मीरवाइज उमर फारूक को प्रभावशाली व्यक्तित्व बताया गया है। भाजपा ने इसे एकेडमिक जिहाद बताते हुए किताबों पर बैन और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। भाजपा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से शिक्षा मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद ने कहा कि मसरत आलम, सैयद अली शाह गिलानी और शब्बीर शाह पाकिस्तान की ISI का एजेंडा चलाते थे। उन्होंने कहा कि ऐसी हस्तियों को महान बताने से नई पीढ़ी पर गलत असर पड़ेगा। मीरवाइज उमर फारूक को कश्मीर की आखिरी उम्मीद बताना भी पाकिस्तान के एजेंडे को बढ़ावा देने जैसा है। पुलिस ने BNS की कई धाराओं और UAPA की धारा 13 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप हैं कि किताबों में देश की एकता को नुकसान पहुंचाने और वैमनस्य फैलाने वाली सामग्री है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने बुक वापिस बुलाईं

- *राज्य के 1832 सरकारी और 394 पीएम श्री स्कूलों की लाइब्रेरी के लिए 'समग्र शिक्षा' योजना के तहत किताबें खरीदी गई थीं। इनके चयन के लिए जम्मू और कश्मीर के विशेषज्ञों की 4 समितियों ने 364 पब्लिशर्स की 463 किताबों में से किताबें चुनी थीं।*
- *अधिकारियों के मुताबिक, एक बुक की 123 कॉपी जम्मू, रामबन और उधमपुर में भेजी गई थीं। दूसरी बुक की 128 प्रतियां जम्मू और बारामूला में बांटी गई थीं।*
- *विवाद के बाद शिक्षा विभाग ने सभी विवादित किताबें वापस लेने का आदेश दिया। किताबों में आपत्तिजनक सामग्री है और इन्हें चुनने में समिति के सदस्यों व अधिकारियों ने गंभीर लापरवाही की।*
- *सरकार ने इन किताबों के लेखकों और पब्लिशर्स को जम्मू-कश्मीर में बैन और ब्लैकलिस्ट कर दिया है। उनकी सभी छपी हुई सामग्री भी वापस लेने के निर्देश दिए गए हैं। मामले की जांच के लिए नियुक्त दो अधिकारियों को 30 दिन में रिपोर्ट देनी होगी।*

अमरनाथ यात्रा तीसरा दिन, 9 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन स्लॉट फुल

प्रशासन बोला- रजिस्ट्रेशन नहीं तो यात्रा टालें

तमसा संकेत, एजेंसी

पहलगाम/बालटाल। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बिना रजिस्ट्रेशन करवाए अमरनाथ पहुंच रहे यात्रियों से कहा है कि वे अपनी यात्रा कुछ दिन के लिए टाल दें। प्रशासन के मुताबिक, 9 जुलाई तक सभी रजिस्ट्रेशन स्लॉट पूरी तरह भर चुके हैं। ऐसे में अगर कोई यात्री बिना रजिस्ट्रेशन बालटाल या पहलगाम रूट से आगे बढ़ने की कोशिश करेगा तो उसे चेक पॉइंट्स पर रोक दिया जाएगा। उसे 9 जुलाई के बाद ही आगे बढ़ने दिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि रविवार से केवल रजिस्टर्ड यात्री ही कश्मीर की ओर जाने की अनुमति दी जाएगी। बिना रजिस्ट्रेशन वाले यात्रियों को चेक पोस्ट पर रोक दिया जाएगा। उन्हें 9 जुलाई के बाद ही आगे बढ़ने मिलेगा। जम्मू डिविजनल कमिश्नर रमेश कुमार ने कहा कि 3 दिन में 13 हजार से ज्यादा रजिस्टर्ड यात्री बालटाल-पहलगाम रूट से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए बेस कैंप से रवाना किए जा चुके हैं।

- पहलगाम रूट पर यात्रा के दौरान एक पुलिस अधिकारी तीर्थयात्री से बातचीत करते हुए। सुरक्षा में तैनात जवान सभी यात्रियों की मदद कर रहे हैं।

बीएमडब्ल्यू कार में 26 लाख रुपए मिले

गाड़ी पर इंश्योर्ड बाई माफिया लिखा था, विधानसभा पास लगी स्कॉर्पियो भी सीज

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में हरियाणा नंबर की BMW कार की डिक्की में 26 लाख रुपए मिले हैं। इस पर इंश्योर्ड बाई माफिया लिखा स्टीकर लगा था। इसी के बगल में यूपी विधानसभा पास का स्टीकर लगी स्कॉर्पियो भी खड़ी थी। दोनों गाड़ियों को पुलिस ने सीज कर दिया है। इसके साथ ही दोनों गाड़ियों को अपना बता रहे 19-21 साल के 3 युवकों को हिसारत में लिया है।

मामला आशियाना थाना क्षेत्र के किला चौकी इलाके का है। शुक्रवार की रात पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। सोशल पॉइंट नाम के रेस्टोरेंट के बाहर ये दोनों गाड़ियां खड़ी थीं। इनके पास ही 3 युवक थे। पुलिस ने उनसे पूछताछ की। कुछ संदिग्ध लगने पर इनकी गाड़ी की तलाशी भी लेने लगी। तलाशी के दौरान BMW कार की डिक्की में 500-500 रुपए के नोट की गड्डियां दिखीं। तलाशी के दौरान BMW की डिक्की में बने लॉकर से 500-500 रुपए के नोटों की 52 गड्डियां, कुल 26 लाख रुपए मिले। दोनों वाहनों के दस्तावेज उपलब्ध न कराने और संदिग्ध परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस ने BMW और स्कॉर्पियो को सीज कर दिया। पुलिस ने जिन युवकों को पकड़ा है, उनकी पहचान शिवांशु पांडेय (21) पुत्र मनोज कुमार पांडेय, निवासी डिफेंस कॉलोनी, तेलीबाग; रोचमन वर्मा (19) पुत्र कमलाकांत वर्मा, निवासी सेक्टर-एन, आशियाना कॉलोनी और रचित ठाकुर उर्फ अथर्व (21) पुत्र भानु प्रताप सिंह, निवासी पंडित खेड़ा, अनौरा, सरोजनीनगर के रूप में हुई।

यह उसी कार का पिछला हिस्सा है। इस पर नंबर प्लेट की जगह कैलिफोर्निया CATCHM3 लिखा था।

काला शीशा होने से पुलिस ने जांच की

पुलिस के अनुसार, चेकिंग अभियान के दौरान काले शीशों वाली हरियाणा नंबर की एक BMW और एक स्कॉर्पियो कार संदिग्ध हालत में खड़ी मिलीं। दोनों गाड़ियों में काली फिल्म वाला शीशा लगा था। ऐसी हालत में दोनों गाड़ियों की जांच की गई। BMW की डिक्की में 26 लाख रुपए नकद मिले।

कार के पास मौजूद तीन युवक उस रकम का कोई दस्तावेज नहीं दिखा सके। कोई संतोषजनक जवाब भी नहीं दे पाए। पुलिस ने तुरंत आयकर विभाग की टीम को बुलाया।

दरोगा का बेटा बता अर्दब में लेने लगा

बिना नंबर की मॉडिफाइड काली BMW पर माफिया लिखा था। इसमें बैठे युवक तेलीबाग निवासी शिवांशु पांडेय ने खुद को दरोगा का बेटा बताकर पुलिसवालों को अर्दब में लेने की कोशिश की। उसके साथ रोजमन वर्मा, अथर्व सिंह भी दूसरी गाड़ी से थे। दूसरी गाड़ी काली स्कॉर्पियो (यूपी 32 क्यूबी 6630) पर विधायक और विधानसभा सचिवालय लिखा 2025 का एफ श्रेणी का पास लगा था। पुलिस ने दोनों गाड़ियों की तलाशी ली।

स्कॉर्पियो में लखनऊ की नंबर प्लेट लगी थी। इसमें यूपी विधानसभा के पास का स्टीकर लगा था।

चिराग पासवान ने पिता की जयंती राजधानी में मनाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार दोपहर 2 बजे लखनऊ में अपने पिता और दिवंगत नेता रामविलास पासवान की जयंती मनाई। इस दौरान उन्होंने संकेत दिए कि उनकी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) यूपी विधानसभा चुनाव 2027 में उतर सकती है।

चिराग ने कहा-आज पहली बार हमारे नेता रामविलास पासवान का जयंती दिवस समारोह यूपी में मनाया जा रहा है। सोच मेरे नेता के विचारों को देश के कोने-कोने तक ले जाने की है। 2027 में यहां विधानसभा चुनाव होने हैं। पार्टी चाहती है कि हमारी तैयारी ऐसी हो कि हम चुनाव लड़ सकें। गठबंधन पर अंतिम फैसला राज्य इकाई करेगी।

चिराग ने अपने संबोधन में कहा- यूपी में विकास, सामाजिक न्याय और युवाओं के मुद्दों को केंद्र में रखकर राजनीति करने की जरूरत है। उनकी पार्टी किसी एक जाति या वर्ग की नहीं, बल्कि सर्वसमाज की राजनीति में विश्वास रखती है। मैं एक ऐसा उत्तर प्रदेश दूंगा, जो जात-पात से दूर रहे। यह मैं अकेले नहीं कर पाऊंगा। इसमें मुझे आप सबका साथ चाहिए। चिराग ने कहा- सपा और कांग्रेस ने यहां भाई को भाई से लड़ाने का काम किया। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम समाज को एकता के सूत्र में बांधेंगे। उन्होंने कभी समाज को जोड़ने की नहीं सोची, जबकि हमने हमेशा समाज को जोड़ने का काम किया।

कहा- जात-पात से दूर यूपी बनाऊंगा पार्टी के चुनाव में उतरने के संकेत दिए

फास्ट न्यूज

दिल्ली के 3 विमानों का लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ। रविवार को दिल्ली में अचानक मौसम खराब होने के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने वाले तीन विमानों को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डायवर्ट किया गया। इन विमानों को बाद में दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया।

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, रविवार दोपहर दिल्ली का मौसम बिगड़ने से विमान संचालन में बाधा आई।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने साहित्यकार को हाथ जोड़े

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने लखनऊ में रविवार को साहित्यकार विद्या बिंदु सिंह के आवास पहुंचे। करीब 11:27 बजे पहुंचे तो हाथ जोड़कर देर से पहुंचने की माफी मांगी। उनके साथ यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी भी थे। दोनों ने साहित्यकारों का स्वागत हाथ जोड़ते हुए स्वीकार किया। इसके बाद सब लोग अंदर गए। वहां कमरे में 12-15 साहित्यकारों-कलाकारों के साथ करीब 20 मिनट तक बातचीत की। इस दौरान लोकगायिका मालिनी अवस्थी भी वहीं थीं।

देश का पहला लैक्टेशन मैनेजमेंट मॉड्यूल लॉन्च

लखनऊ। यूपी के सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं को मां के दूध का सुरक्षा कवच और बेहतर तरीके से मिल सकेगा। फैसिलिटी-बेस्ड लैक्टेशन मैनेजमेंट (एफबी-एलएम) प्रशिक्षण मॉड्यूल अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में नवजात शिशुओं के लिए स्तनपान (ब्रेस्टफीडिंग) से जुड़े सपोर्ट सिस्टम को मजबूत करेगा।

लखनऊ। भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) यंग इंडियन्स (Yi) द्वारा आयोजित यंग इंडिया पार्लियामेंट 2026 – कानपुर चैप्टर के समापन सत्र का उद्घाटन करते उत्तर प्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री सतीश महाना। इस अवसर पर CII यंग इंडियन्स के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनुज अग्रवाल, कानपुर चैप्टर के चेयर श्री संचित अग्रवाल, को-चेयर श्री यश अग्रवाल तथा CII उत्तर प्रदेश के निदेशक एवं स्टेट हेड श्री आलोक शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खाड़ी देशों में गंभीर हालात के बीच ईवी की तरफ रुख करना बेहतर, पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता करें कम: मंत्री

अब तक 96 हजार से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। इसी दिशा में प्रदेश सरकार के विजन के तहत परिवहन विभाग द्वारा संचालित इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्रय सब्सिडी योजना प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से हजारों उपभोक्ताओं को आर्थिक सहायता मिलने के साथ ही प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत हुआ है। इसके तहत योगी सरकार ने 210 करोड़ रुपये से अधिक सब्सिडी के रूप में वितरित किए। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि खाड़ी देशों में गंभीर हालात और तेल संकट के बीच ईवी वाहनों की तरफ रुख करना ही बेहतर है। वहीं प्रदेश सरकार की इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) क्रय सब्सिडी योजना इस दिशा में शानदार सहयोग दे रही है। इससे पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधनों पर निर्भरता कम होगी और बेहतर पर्यावरण से लोगों का स्वास्थ्य अच्छा होगा। प्रदेश सरकार ने इसी विजन के साथ 210 करोड़ रुपये से ज्यादा की सब्सिडी का भुगतान कर नया कीर्तिमान बनाया है। ईवी क्रय सब्सिडी योजना के अंतर्गत सबसे अधिक लाभ दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों को मिला है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक 61,417 दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। कम कीमत, कम संचालन लागत और दैनिक उपयोग के लिए उपयुक्त होने के कारण इलेक्ट्रिक स्कूटर और मोटरसाइकिलों की मांग तेजी से बढ़ी है।

स्वच्छ परिवहन और हरित विकास का मॉडल बना यूपी, सब्सिडी योजना से बढ़ा इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन

43 हजार से अधिक लाभार्थियों को मिली सब्सिडी

परिवहन विभाग के मुताबिक प्रदेश में अब तक 96,778 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण हो चुका है। इनमें से 43,218 लाभार्थियों को अंतिम रूप से ईवी क्रय सब्सिडी का लाभ प्रदान किया जा चुका है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि योजना का लाभ बड़ी संख्या में आम नागरिकों तक पहुंचा है और लोग तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपना रहे हैं।

तीन वर्षों में 210 करोड़ रुपये की सब्सिडी

योजना शुरू होने के बाद पहले लगभग तीन वर्षों के दौरान योगी सरकार ने रिकॉर्ड 210 करोड़ रुपये से अधिक सब्सिडी के रूप में वितरित किए हैं। इससे इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वाले उपभोक्ताओं की शुरुआती लागत कम हुई है। परिवहन विभाग ने योजना की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण एवं आवेदनों का लाइव काउंटर भी उपलब्ध कराया है।

2027 में सपा सरकार बनी तो शिक्षकों के हित में होंगे बड़े फैसले, शिक्षा व्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा

शिक्षक और शिक्षा का सम्मान सपा की प्राथमिकता : अखिलेश यादव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा शिक्षा और शिक्षकों का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनने पर वर्ष 2027 में शिक्षकों के हितों की रक्षा और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे।

रविवार को लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के पार्टी प्रत्याशियों के साथ बैठक को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि विधान परिषद के शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से चुनाव में पूरी ताकत के साथ जुटने और स्नातक मतदाताओं की संख्या बढ़ाने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान प्रदेश के विभिन्न वर्गों के शिक्षकों ने अपनी समस्याओं और मांगों से संबंधित ज्ञापन अखिलेश यादव को सौंपा। इस पर उन्होंने भरोसा दिलाया कि शिक्षकों की सभी न्यायोचित मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और प्रमुख बिंदुओं को समाजवादी पार्टी के विधानसभा चुनाव घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। शिक्षकों की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को सम्मानजनक मानदेय और कैशलेस इलाज की सुविधा देने की मांग की गई। इसके अलावा सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने, सेवा सुरक्षा से जुड़ी धारा-12, धारा-18 और धारा-21 को पुनः लागू करने की मांग भी रखी गई।

> सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से शिक्षक, नौजवान, किसान और व्यापारी सभी वर्ग परेशान हैं। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को सरकार की बड़ी विफलता बताते हुए कहा कि जनता बदलाव चाहती है।

भाजपा सरकार पर शिक्षा व्यवस्था बिगाड़ने का आरोप

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक की स्थिति खराब हो गई है और युवाओं का भविष्य अंधकार में है। उनका कहना था कि भाजपा सरकार के एजेंडे में शिक्षा, रोजगार और युवाओं का भविष्य शामिल नहीं है तथा शिक्षकों और युवाओं के साथ अन्याय किया गया है।

धूलभरी आंधी के बाद मूसलाधार बारिश

बिजली कटी, अंधेरा छाया फ्लाईओवरों के नीचे छिपे लोग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में झमाझम बारिश हो रही है। कई इलाकों की बिजली कट गई है। अंधेरा छा गया है। तेज बारिश से बचने के लिए तमाम लोग फ्लाईओवरों के नीचे छिप रहे हैं। इसके पहले धूलभरी आंधी आई। हालांकि, सुबह से हल्के बादल छाए थे।

उमसभरी गर्मी से लोग परेशान थे। मौसम विभाग के मुताबिक, आज अधिकतम तापमान करीब 38 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। रात के समय पारा 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। सामान्य से अधिक आर्द्रता और तापमान बढ़ने से हीट इंडेक्स (आभासी तापमान) बढ़ गया है। ऐसे में 38 डिग्री तापमान पर 45 डिग्री तापमान का अनुभव हो रहा है। सरोजनी नगर में तेज बारिश हो रही है। बारिश से बचने के लिए लोग फ्लाईओवर के नीचे छिपे हैं।

हजरतगंज में तेज बारिश हो रही है। दोपहिया वाहन चालक बारिश में भीगते हुए नजर आ रहे हैं।

इंदिरानगर में बारिश के दौरान दुकानें लगी थीं। दुकानदार अपने-अपने सामान भीगने से बचाते नजर आए। गोमती नगर में बारिश शुरू हो गई। गर्मी से परेशान कई लोग बारिश में नहाते नजर आए।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में तेज और उमस भरी गर्मी परेशान करने वाली है।

स्वागत : केशव-पंकज चौधरी भी पहुंचे, देसी अंदाज में चारपाई पर बैठकर खाया

ब्रजेश पाठक के घर योगी नितिन नवीन की आम पार्टी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार दोपहर 2 बजे लंच के लिए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के घर पहुंचे। सीएम योगी, डिप्टी सीएम केशव मौर्य, यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी भी इसमें शामिल हुए।

यहां लंच के बाद आम पार्टी हुई। ब्रजेश पाठक खुद प्लेट में दशहरी आम लेकर मेहमानों के बीच पहुंचे। योगी, नितिन नवीन और पंकज चौधरी एक साथ बैठे।

बगल में केशव और खुद ब्रजेश पाठक बैठे। देसी अंदाज में चारपाई पर बैठकर सभी भाजपा नेताओं ने आम खाए। इससे पहले, ब्रजेश पाठक ने घर आए मेहमानों का टीका लगाकर स्वागत किया। योगी पहुंचे तो डिप्टी सीएम की पत्नी नम्रता पाठक ने पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। नितिन नवीन ने शनिवार को योगी के यहां डिनर किया। सुबह लंच ब्रजेश पाठक के यहां। शाम को उनका केशव मौर्य के घर चाय-पार्टी का कार्यक्रम है। भाजपा के जानकार बताते हैं कि नितिन नवीन ने संतुलन की राजनीति का संदेश दिया है।

सारे नेता एक साथ नजर आए, एकजुटता का दिया संदेश

2027 चुनाव से पहले नितिन नवीन का दौरा अहम है। उन्होंने शनिवार और रविवार यानी दो दिन के दौरे के दौरान बूथ कार्यकर्ता से लेकर शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। डिनर, लंच और चाय पार्टी से उन्होंने एकजुटता का संदेश दिया।

सीएम योगी, नितिन नवीन, पंकज चौधरी, केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और बीएल संतोष समेत सभी नेताओं ने देसी अंदाज में चारपाई पर बैठकर आम का स्वाद लिया।

> ब्रजेश पाठक ने पत्नी के साथ सभी मेहमानों का वेलकम किया। जब तक मेहमानों के आने का सिलसिला जारी रहा, दोनों गेट पर ही खड़े रहे। ब्रजेश पाठक ने योगी का तिलक लगाकर स्वागत किया। नितिन नवीन को बुके दिया। लंच के दौरान नम्रता पाठक खुद खाना परोसती रहीं और मेहमानों से खाने का आग्रह करती रहीं।

बंदरों से डरकर 5वीं मंजिल से गिरा, मौके पर हुई मौत

छत पर टहलने गया था, परिवार बोला- झुंड में आते हैं, कोई कार्रवाई नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के हुसैनगंज इलाके में शनिवार सुबह बंदरों के झुंड से बचने की कोशिश में एक ई-रिक्शा चालक पांचवीं मंजिल से नीचे गिर गया। गंभीर हालत में उसे बलरामपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिजनों ने क्षेत्र में लंबे समय से बंदरों के आतंक के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

हुसैनगंज के फूलबाग निवासी जीतू सोनकर (40) ई-रिक्शा चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। शनिवार सुबह वह रोज की तरह उठकर घर की छत पर टहलने गए थे। परिवार के मुताबिक, कुछ देर बाद छत पर मौजूद बंदरों के झुंड ने उन्हें घेर लिया। जान बचाने के लिए वह इधर-उधर भागने लगे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह पांचवीं मंजिल से नीचे गिर पड़े। गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो जीतू खून से लथपथ पड़े थे। परिजन उन्हें तत्काल बलरामपुर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शहर में बढ़ता जा रहा बंदरों का आतंक

लखनऊ के पुराने और नए दोनों इलाकों में बंदरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हुसैनगंज, कैसरबाग, चौक, अमीनाबाद, आलमबाग, चारबाग, गोमतीनगर, इंदिरानगर, अलीगंज, महानगर, राजाजीपुरम, जानकीपुरम, आशियाना, विकासनगर, निरालानगर और डालीगंज समेत कई क्षेत्रों में लोग रोजाना बंदरों के आतंक का सामना कर रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि सुबह-शाम छत पर जाना, कपड़े सुखाना और बच्चों का खेलना भी जोखिम भरा हो गया है।

बाराबंकी में अवैध फैक्ट्री हुई सील, 800 किलो नकली पत्ती हुई बरामद

केमिकल मिलाकर इस्तेमाल हुई चायपत्ती दुबारा पैक कर बेच रहे

छापेमारी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। इस्तेमाल की जा चुकी चायपत्ती को दोबारा रंगकर नई पैकेजिंग में बाजार में बेचा जा रहा। यूपी STF और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की संयुक्त टीम ने शनिवार शाम 4:30 बजे बाराबंकी में एक घर के अंदर संचालित ऐसी ही नकली चाय पत्ती फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने फैक्ट्री संचालक को गिरफ्तार कर फैक्ट्री सील कर दी है। करीब तीन घंटे चली छापेमारी में 800 किलो रंगी हुई चाय पत्ती, 5 किलो कृत्रिम रंग और पैकिंग सामग्री बरामद हुई। जांच

में सामने आया कि होटलों और ढाबों से इस्तेमाल के बाद फेंकी गई चाय पत्ती को दोबारा तैयार कर ब्रांडेड नामों से बाजार में बेचा जा रहा था। कार्रवाई जिला मुख्यालय से करीब 45 किलोमीटर दूर बड्डूपुर थाना क्षेत्र में की गई। एफएसडीए अधिकारियों ने बताया कि चाय की पत्ती में मिलाया जा रहा कृत्रिम रंग स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है।

" फूड इंस्पेक्टर डॉ. अंकित यादव ने बताया कि चाय पत्ती में मिलाया जाने वाला कृत्रिम रंग स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। लगातार ऐसे रसायनों के सेवन से गंभीर बीमारियों और कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने लोगों से केवल विश्वसनीय ब्रांड और अधिकृत विक्रेताओं से ही खाद्य सामग्री खरीदने की अपील की।

- टीम ने अवैध फैक्ट्री को सील कर दिया।
- करीब 3 घंटे एसटीएफ और फूड विभाग ने छपेमारी की।
- ढाबों, चाय दुकानों से यूज्ड चायपत्ती कलेक्ट करके कलर मिलकर दोबारा ब्रांडेड नामों से पैकेजिंग करके बेचते थे।
- जो कलर मिलाया जा रहा था वह कैंसर का कारक माना जाता है।

'फास्ट टी' और 'गार्डेन फ्रेश' नाम से बेची जा रही थी

अधिकारियों के अनुसार, फैक्ट्री संचालक शकील ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह कारोबार का संचालन कर रहा था। खुली चाय पत्ती को 'फास्ट टी' और 'गार्डेन फ्रेश' नाम से पैक कर बाजार में बेचा जा रहा था। टीम ने चाय पत्ती और कृत्रिम रंग के नमूने जांच के लिए सुरक्षित किए। करीब 1.60 लाख रुपये कीमत की चाय पत्ती जब्त कर ली गई। पैकिंग में इस्तेमाल हो रही इलेक्ट्रॉनिक और सीलिंग मशीन भी सील कर दी गईं। एफएसडीए ने आरोपी शकील के खिलाफ बड्डूपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

एक अन्य रेस्टोरेंट से भी लिया नमूना, नोटिस

वहीं, इसी अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारी पल्लवी तिवारी और अर्शी फारूकी ने अयोध्या-लखनऊ रोड स्थित एक रेस्टोरेंट का निरीक्षण कर पिसी लाल मिर्च का नमूना जांच के लिए लिया। निरीक्षण के दौरान मिली कमियों को दूर करने के लिए रेस्टोरेंट संचालक को नोटिस जारी किया गया।

बाराबंकी पुलिस ने 85 खोए मोबाइल बरामद किए

17 लाख के फोन मालिकों को लौटाए, 7 महीने में 785 से ज्यादा रिकवर

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी पुलिस की सर्विलांस सेल और थाना स्तर की संयुक्त टीमों ने रविवार को 85 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए हैं। इन बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 17 लाख रुपये है। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देश पर गुम हुए मोबाइल फोन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया था। सर्विलांस सेल और थाना पुलिस की संयुक्त टीमों ने सीईआईआर पोर्टल का उपयोग करते हुए तकनीकी विश्लेषण और ट्रैकिंग के माध्यम से विभिन्न स्थानों से इन 85 मोबाइल फोन को सफलतापूर्वक बरामद किया। शनिवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी सदर आलोक कुमार पाठक ने बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किए। अपना खोया हुआ मोबाइल और उसमें सुरक्षित महत्वपूर्ण डेटा वापस मिलने पर लोगों ने बाराबंकी पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस दौरान पुलिस ने आम जनता से अपील की कि मोबाइल गुम या चोरी होने पर तुरंत नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं अथवा सीईआईआर पोर्टल पर ऑनलाइन रिपोर्ट करें। यह पोर्टल मोबाइल को ब्लॉक करने, ट्रैक करने और बरामद करने में सहायक है।

फास्ट न्यूज

बुद्धेश्वर में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

दुबग्गा। लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र के बुद्धेश्वर इलाके में रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति बेहोशी की हालत में मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे तत्काल एंबुलेंस की सहायता से रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल भेजवाया।

वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, अज्ञात व्यक्ति बुद्धेश्वर स्थित डीबीएल लॉन के पास पड़ा मिला था।

गंगा एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस पलटी

हरदोई। हरदोई के पचदेवरा थाना क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे पर शनिवार और रविवार की मध्य रात्रि एक स्लीपर बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सिद्धार्थनगर के बांसी से दिल्ली जा रही यह बस अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 20 फीट नीचे जा गिरी। यह भीषण सड़क हादसा भाहपुर सपहा गांव के पास हुआ। हादसे में बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसके परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बस में सवार एडवोकेट विनय कुमार यादव ने बताया कि बस में करीब 150 यात्री सवार थे। उनके अनुसार, यात्रा के दौरान चालक मोबाइल फोन पर बात कर रहा था।

हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-731) पर शनिवार शाम एक सड़क हादसे में 40 वर्षीय अजय गिरी की इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्हें एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल अजय को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर कमैचा ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत नाजुक होने पर उन्हें जिला मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गोकुल बाबा मंदिर में युवक को सांप ने डसा

उन्नाव में सांप को झोले में लेकर अस्पताल पहुंचा घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के प्रसिद्ध गोकुल बाबा मंदिर में रविवार सुबह दर्शन के दौरान एक युवक को सांप ने डस लिया। घटना के बाद घायल युवक सांप को एक झोले में लेकर जिला अस्पताल पहुंचा, जिससे अस्पताल में कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया। युवक का इलाज जारी है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, मगरवारा क्षेत्र निवासी एसपी सिंह रविवार सुबह करीब 10:30 बजे गोकुल बाबा मंदिर में दर्शन करने गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मंदिर परिसर में कुछ बच्चे सांप लेकर बैठे थे। इसी दौरान एसपी सिंह ने उत्सुकतावश सांप को छूने का प्रयास किया, तभी सांप ने उन्हें डस लिया। सांप के काटने के बाद परिजन और स्थानीय लोग एसपी सिंह को तुरंत जिला

अस्पताल ले गए। अस्पताल पहुंचने पर यह खास बात रही कि युवक सांप को एक झोले में बंद कर अपने साथ लाया था। इसका उद्देश्य डॉक्टरों को सांप की पहचान कराने में मदद करना था, ताकि सही उपचार मिल सके। अस्पताल में झोले में सांप होने की सूचना से मरीजों और तीमारदारों में थोड़ी देर के लिए चिंता फैल गई। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने तत्काल युवक का उपचार शुरू किया और उसकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

मिश्रा कॉलोनी को गंगा कटान से राहत की उम्मीद

उन्नाव। उन्नाव के शुक्लागंज स्थित मिश्रा कॉलोनी घाट पर गंगा के बढ़ते जलस्तर के बावजूद कटान का खतरा टल गया है। सिंचाई विभाग द्वारा समय रहते कराए गए सुरक्षात्मक कार्यों से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिली है। सिंचाई विभाग ने मिश्रा घाट के पास लगभग 350 मीटर क्षेत्र में कटान रोकने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। नदी किनारे जाल (नेट) के भीतर बालू से भरी बोरियां लगाकर तट को मजबूत किया गया है। इससे तेज बहाव के दौरान मिट्टी के कटाव को रोकने में मदद मिल रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मानसून के दौरान गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इस बार मिश्रा कॉलोनी पर मंडरा रहा खतरा काफी हद तक टल गया है। हर वर्ष बरसात में गंगा के जलस्तर में वृद्धि के साथ स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ जाती थी, जो इस बार कम हुई है।

उन्नाव पुलिस लाइन में 'वामा वेलनेस कैंप'

पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण, दवाएं वितरित की

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव पुलिस लाइन परिसर में रविवार दोपहर वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से "वामा वेलनेस कैंप" का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य की देखभाल करना और उन्हें मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर में पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया और जरूरतमंदों को मुफ्त दवाएं भी उपलब्ध कराईं। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने कहा कि पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य बेहतर रहना प्रभावी पुलिस व्यवस्था की बुनियाद है। उन्होंने वामा सारथी द्वारा किए जा रहे सामाजिक और कल्याणकारी कार्यों की सराहना की और ऐसे शिविर नियमित रूप से

आयोजित करने की बात कही। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह, प्रतिसार निरीक्षक सचिन राय, उपनिरीक्षक नेक मोहम्मद, पुलिस वेलफेयर शाखा के उपनिरीक्षक विमलेश शुक्ला, आरक्षी अजय कुमार सहित वामा सारथी टीम के कई सदस्य उपस्थित रहे।

वामा सारथी की ओर से आगे भी कार्यक्रम जारी रखने का आश्वासन

वामा सारथी जनपद अध्यक्षा नीतू सिंह ने बताया कि संगठन लगातार पुलिस परिवारों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर कार्य कर रहा है। उन्होंने आगे भी इस तरह के स्वास्थ्य शिविर और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया। साथ ही मानसून के दौरान विशेष सावधानी बरतने पर भी जोर दिया गया।

आयुर्वेद, एलोपैथी और होम्योपैथी विशेषज्ञों की सेवाएं

इस वेलनेस कैंप में आयुर्वेद, एलोपैथी और होम्योपैथी के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। डॉक्टरों ने वायरल बुखार, डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय विस्तार से समझाए। चिकित्सकों ने लोगों को संतुलित आहार लेने, नियमित व्यायाम करने, स्वच्छता बनाए रखने और समय पर चिकित्सीय सलाह लेने की सलाह दी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने की पहल की सराहना

कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने कहा कि पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य बेहतर रहना प्रभावी पुलिस व्यवस्था की बुनियाद है। उन्होंने वामा सारथी द्वारा किए जा रहे सामाजिक और कल्याणकारी कार्यों की सराहना की और ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित करने की बात कही। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह, प्रतिसार निरीक्षक सचिन राय, उपनिरीक्षक नेक मोहम्मद, पुलिस वेलफेयर शाखा के उपनिरीक्षक विमलेश शुक्ला, आरक्षी अजय कुमार सहित वामा सारथी टीम के कई सदस्य उपस्थित रहे।

उन्नाव में पोनी रोड चौड़ीकरण का विरोध

पीडब्ल्यूडी पर 8 मीटर रोड को एक मीटर बढ़ाने का आरोप, मुआवजे की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव शहर की पोनी रोड पर सड़क चौड़ीकरण के लिए दोबारा की गई नापजोख को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। निवासियों ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) पर पहले तय आठ मीटर चौड़ाई को बढ़ाकर मनमाने तरीके से आगे बढ़ाने का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि पहले सड़क किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण और निर्माण पर कार्रवाई हो, उसके बाद ही वैध रजिस्ट्री वाले भवनों की जांच की जाए। उनका कहना है कि वैध संपत्ति धारकों को उचित मुआवजा दिए बिना किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ या चौड़ीकरण उचित नहीं है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि सभी भवनों का सत्यापन रजिस्ट्री और अभिलेखों के आधार पर किया जाए और नियमानुसार मुआवजा दिया जाए। लोगों का आरोप है कि बिना स्पष्ट मानक के सड़क चौड़ीकरण से कई परिवारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि निष्पक्ष जांच, सही माप और उचित मुआवजे की व्यवस्था नहीं की गई तो वे अपना विरोध और तेज करेंगे। इस मामले में पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता हर दयाल अहिरवार ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण मानक के अनुरूप किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को आपत्ति थी, उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया गया है।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि सदर विधायक द्वारा पहले आठ मीटर चौड़ी सड़क निर्माण की बात कही गई थी। उनका कहना है कि ग्रामीण क्षेत्र में भी इसी मानक पर सड़क बनी है, इसलिए शहरी क्षेत्र में भी समान नियम लागू होना चाहिए। इस मामले में पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता हर दयाल अहिरवार ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण मानक के अनुरूप किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को आपत्ति थी, उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया गया है।

सुबह से ही लोगों का विरोध प्रदर्शन

रविवार सुबह करीब 10 बजे क्षेत्रवासियों ने सड़क चौड़ीकरण के खिलाफ प्रदर्शन किया। लोगों का कहना है कि पहले आठ मीटर चौड़ी सड़क बनाने की बात कही गई थी, लेकिन अब विभाग अतिरिक्त चौड़ाई बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जिससे कई भवन प्रभावित हो सकते हैं।

करीब 1.77 करोड़ की परियोजना

जानकारी के अनुसार पोनी रोड के झंडा चौराहा से पोनी रोड तिराहे तक सड़क चौड़ीकरण पर लगभग 1 करोड़ 77 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। विभागीय टीम ने करीब 50-50 मीटर की दूरी पर नापजोख की कार्रवाई की। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पीडब्ल्यूडी विभाग तय मानकों को नजरअंदाज कर मनमाने तरीके से चौड़ीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है। कुछ जगहों पर सही तरीके से माप नहीं होने की बात भी सामने आई है।

घर के पीछे सरिया से लटका मिला युवक का शव

पिता ने ससुरालवालों पर हत्या का लगाया आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में एक युवक का शव उसके मकान के पीछे सरिया से लटका मिला। यह घटना शनिवार शाम 4:30 बजे को सामने आई। युवक के माता-पिता देर रात हरियाणा से घर पहुंचे। रविवार दोपहर 2 बजे पुलिस ने शव का पंचनामा भरा। हरपालपुर इलाके के ललुवामऊ निवासी 22 साल के बृजेश शहर कोतवाली क्षेत्र के जंडैल पुरवा में पत्नी प्रियंका के साथ रहते थे। बृजेश के पिता बाबूराम ने ससुराल पक्ष पर हत्या का सीधा आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि बृजेश के अपने ससुराल (बिलग्राम के नूरपुर हथौड़ा) के लोगों से संबंध अच्छे नहीं थे। बाबूराम के अनुसार, शुक्रवार को बृजेश अपनी बड़ी साली की बेटी को गुड़सेड़ा गांव छोड़ने गया था। जब वह लौटा और जंडैल पुरवा स्थित अपने घर पर ताला लगा देखा, तो वह अपनी पत्नी को ढूंढते हुए ससुराल पहुंच गया। आरोप

है कि वहां बृजेश के ससुराल वालों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। मारपीट के बाद बृजेश अकेला जंडैल पुरवा वापस आया। शनिवार शाम को उसका शव बरामद हुआ। ग्रामीणों की सूचना पर मृतक की बड़ी बहन सीमा ने माता-पिता को सूचित किया, जिसके बाद वे हरियाणा से हरदोई पहुंचे। पुलिस को मकान की छत से तलाशी के दौरान दो गिलास और शराब के दो खाली पौव्वे भी मिले हैं। शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ज्ञापन : व्यापारियों ने स्टेशन अधीक्षक से की मांग, बोले- बड़े शहरों से जोड़ना जरूरी

प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग तेज

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह 11:30 बजे उद्योग व्यापार एकता एसोसिएशन की हरदोई इकाई ने प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर स्टेशन अधीक्षक नरसी लाल मीणा को रेल मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

व्यापारियों का कहना है कि जिले में लगातार बढ़ रही औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों को देखते हुए हरदोई रेलवे स्टेशन पर महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव अब अत्यंत आवश्यक हो गया है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि सांसद जयप्रकाश रावत लंबे समय से हरदोई में प्रमुख ट्रेनों के ठहराव के लिए प्रयासरत हैं।

अब इस मांग को व्यापारियों के साथ-साथ अधिवक्ताओं का भी समर्थन मिलने लगा है। संगठन के सदस्यों ने उम्मीद जताई है कि जनप्रतिनिधियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों की संयुक्त पहल के बाद रेलवे प्रशासन इस मुद्दे पर जल्द ही सकारात्मक निर्णय लेगा।

व्यापारियों ने कहा कि बढ़ते यात्री दबाव और क्षेत्रीय विकास को देखते हुए रेलवे सेवाओं के विस्तार की आवश्यकता है, ताकि स्थानीय लोगों और व्यापारिक गतिविधियों को बेहतर सुविधा मिल सके।

रेलवे के राजस्व में होगी वृद्धि

ज्ञापन में बताया गया कि हरदोई उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण जिला है, जो लखनऊ, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर और कानपुर जैसे प्रमुख शहरों को रेल मार्ग से जोड़ता है। संडीला औद्योगिक क्षेत्र तेजी से प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। यहां पेप्सीको (वरुण बेवरेजेज), बर्जर पेंट्स, बालाजी वेफर्स और वेबले एंड स्कॉट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां संचालित हैं। इन उद्योगों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में कर्मचारी, तकनीकी विशेषज्ञ, कारोबारी और अधिकारी आते-जाते हैं, जिन्हें पर्याप्त रेल सुविधाओं के अभाव में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

व्यापारियों ने ट्रेन संख्या 12583/12584, 22545/22546, 19269/19270, 12237/12238 और 15043/15044 लखनऊ-काठगोदाम-लखनऊ एक्सप्रेस का हरदोई स्टेशन पर नियमित ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की। उनका कहना है कि इससे उद्योग, व्यापार, शिक्षा, पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा, यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी और रेलवे के राजस्व में भी वृद्धि होगी। इस अवसर पर उद्योग व्यापार एकता एसोसिएशन के प्रांतीय प्रवक्ता गौरव अग्रवाल, शोभित गुप्ता, वेद प्रकाश गुप्ता 'राजू', विनोद गुप्ता, कमल गुप्ता, अमन सिंह, अपूर्व गुप्ता सहित कई अन्य पदाधिकारी और व्यापारी उपस्थित थे।

हिस्ट्रीशीटर 1.2 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार

आरोपी पर एनडीपीएस समेत कई गंभीर मामले पहले से दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के सुरसा थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक हिस्ट्रीशीटर आरोपी को गिरफ्तार किया है। रविवार को आरोपी के पास से 1 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक हरदोई के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) और क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी सुरसा के नेतृत्व में पुलिस टीम चेकिंग कर रही

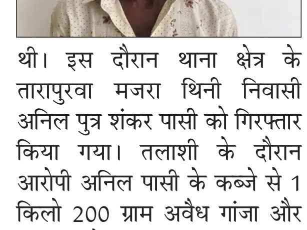

थी। इस दौरान थाना क्षेत्र के तारापुरवा मजरा थिनी निवासी अनिल पुत्र शंकर पासी को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान आरोपी अनिल पासी के कब्जे से 1 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा और 114 रुपये नकद बरामद हुए। इस संबंध में सुरसा थाने में मुकदमा अपराध संख्या 231/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी थाना सुरसा का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ वर्ष 2007 से अब तक लूट, हत्या के प्रयास, मारपीट, आयुध अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट और एनडीपीएस एक्ट सहित करीब दस गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी आर्थिक लाभ कमाने के उद्देश्य से अवैध मादक पदार्थों की बिक्री करता था। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी सुरसा निरीक्षक विश्वास शर्मा, उपनिरीक्षक रोहित कुमार, उपनिरीक्षक मोहम्मद परहीम खां, हेड कांस्टेबल रजनेश कुमार तथा कांस्टेबल विपिन कुमार और विशाल राठी शामिल रहे।

सम्पादकीय

आतंकियों की सूची

केंद्र सरकार ने गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में रह रहे 23 आतंकियों को सूचीबद्ध करके न केवल इन आतंकियों, बल्कि उनके आकाओं अर्थात पाकिस्तानी सेना एवं उसकी खुफिया एजेंसी आइएसआइ को यही संदेश दिया कि भारत आतंकवाद को लेकर सख्त है और उसकी उन पर निगाह भी है।

जो आतंकी सूचीबद्ध किए गए हैं, उन पर भारत में आतंकी हमले करने, घुसपैठ कराने, हथियार भेजने आदि के आरोप हैं। इनमें से कई भारत में हुए आतंकी हमलों या उनकी साजिश रचने में शामिल रहे हैं। ये सभी जैश, लश्कर, द रेजिस्टेंस फ्रंट और जमात-उद-दावा आदि आतंकी संगठनों से जुड़े हुए हैं। इनमें से कुछ जम्मू-कश्मीर के भी हैं।

इसी के साथ यूएपीए के तहत प्रतिबंधित आतंकियों की संख्या 80 पहुंच गई है। चूंकि भारत सरकार ने इन आतंकियों के ठिकानों को भी रेखांकित किया है, इसलिए पाकिस्तान पर इसका कुछ न कुछ असर अवश्य पड़ेगा। हालांकि वह बेशर्मी दिखाएगा और इन आतंकियों की अपनी धरती पर उपस्थिति से इन्कार करेगा, लेकिन इससे उसका काम बनने वाला नहीं है, क्योंकि गुलाम जम्मू-कश्मीर के लोग ही यह कह रहे हैं कि पाकिस्तान ने कश्मीरियों के हाथों में बंदूकें थमाईं। एक तरह से उसकी पोल उसके ही कब्जे वाले लोग खोल रहे हैं।

23 आतंकियों को प्रतिबंधित करने का भारत सरकार का फैसला एक ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान मानवता और अंतरराष्ट्रीय समझौतों की दुहाई देकर सिंधु जल संधि के स्थगन के खिलाफ शोर मचाने में लगा हुआ है। भारत का फैसला उसे यह आभास कराने वाला है कि वह आतंकवाद को खाद-पानी देकर भारत से नरमी की उम्मीद न करे।

यदि पाकिस्तान यह चाहता है कि उसे सिंधु जल समझौते के तहत पानी मिले तो उसे भारत के लिए खतरा बने आतंकियों को पालने-पोसने से बाज आना होगा। उसे यह समझना ही होगा कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। जैश, लश्कर आदि के आतंकियों को प्रतिबंधित करने का निर्णय उन पाकिस्तानियों के साथ भारतीयों को भी संदेश देने वाला है, जिन्होंने पिछले दिनों भारतीय और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से यह आग्रह किया था कि दोनों नेता संबंधों को बहाल करने की दिशा में आगे बढ़ें।

यह आग्रह कितना मूर्खतापूर्ण था, इसे इससे समझा जा सकता है कि किसी ने और यहां तक कि कथित शांति प्रेमी भारतीयों ने भी यह नहीं कहा कि संबंधों को सामान्य करने के लिए यह आवश्यक है कि पाकिस्तान उस आतंकी ढांचे को खत्म करे, जो भारत के लिए खतरा बना हुआ है। चूंकि पाकिस्तान यह काम आसानी से करने वाला नहीं है, इसलिए भारत को उस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने के लिए भी सक्रिय होना होगा। यह सक्रियता लगातार बढ़नी चाहिए।

भारत-पाक में शांति वार्ता के लिए पत्र क्यों

> भारत और पाकिस्तान के 116 महत्वपूर्ण व्यक्तियों के एक समूह ने दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों को एक पत्र लिखा है जिसकी चर्चा आजकल मीडिया में हो रही है। दोनों देशों की सरकार की तरफ से इस पत्र पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है लेकिन कुछ नेता इस पर बयान दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उड़ी हमले के बाद स्पष्ट रूप से घोषणा कर दी थी कि आतंकवाद और वार्ता एक साथ नहीं चल सकते. जब तक पाकिस्तान आतंकवादियों पर लगाम नहीं लगाता, तब तक कोई बातचीत नहीं होगी। पाकिस्तान पर इसका कोई असर नहीं हुआ, इसलिए मोदी सरकार ने पाकिस्तान के साथ बातचीत का रास्ता बंद कर दिया। 2025 में पहलगाम में हुए बड़े आतंकवादी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा कर दी कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। इस घोषणा के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया। मोदी ने कहा कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद बंद नहीं करता तब तक ये संधि लागू नहीं होगी। भारत ने पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध खत्म कर दिए और कूटनीतिक संबंधों को भी कमतर कर दिया। भारत के साथ व्यापारिक संबंधों के खत्म होने से पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन पाकिस्तान कुछ समझने को तैयार नहीं है। सिंधु जल समझौते को लागू करवाने के लिए पाकिस्तान पूरी दुनिया में भटक रहा है लेकिन भारत किसी की सुनने को तैयार नहीं है। पाकिस्तान समझ गया है कि भारत जैसी शक्ति को अंतरराष्ट्रीय दबाव डालकर झुकाया नहीं जा सकता और पाकिस्तान की इतनी हैसियत भी नहीं है कि वो बड़ा दबाव डाल सके। भारत ने इस समझौते को निलंबित करने के बाद ऐसे इंतज़ाम कर लिए हैं कि पाकिस्तान जाने वाले पानी को नियंत्रित किया जा सके। पाकिस्तान को इसका असर महसूस होने लगा है, इसलिए वो भारत से बातचीत के लिए गिड़गिड़ा रहा है। एक तरफ पाकिस्तान चाहता है कि भारत बातचीत करे तो दूसरी तरफ उसके नेता भारत को युद्ध की धमकी दे रहे हैं। जितनी अजीब बात है कि ऑपरेशन सिंदूर में जबरदस्त मार खाने के बाद भी पाकिस्तान युद्ध की धमकी से भारत को झुकाना चाहता है। इससे भी आगे बढ़कर भारत पर परमाणु हमला करने की धमकी दी जा रही है। पाकिस्तान भारत के साथ रिश्ते ठीक करने के लिए सब कुछ करने को तैयार है, लेकिन आतंकवाद छोड़ने को तैयार नहीं है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान चाहता है कि उसके आतंकवादी भारत को जख्म देते रहे और भारत पाकिस्तान को दोस्त बना रहे। 2014 से पहले ये चलता रहा लेकिन मोदी राज में ये होने वाला नहीं है। ऐसा नहीं है कि मोदी ने प्रधानमंत्री बनते ही पाकिस्तान से दुश्मनी शुरू कर दी थी, बल्कि उन्होंने पाकिस्तान को रिश्ते सुधारने का पूरा मौका दिया।

वास्तव में भारत के हर नेता ने पाकिस्तान के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश की है लेकिन उसे भारी निराशा का सामना करना पड़ा है। 1971 में इंदिरा गांधी ने 90000 पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बनाने के बाद शिमला समझौता कर लिया और युद्ध में जीता हुआ सब कुछ वापस दे दिया। युद्ध में बुरी तरह से पराजित करने के बाद भी पाकिस्तान से शांति स्थापना के लिए ही समझौता किया गया था। इसके बदले हमें पंजाब और कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकवाद का बड़ा बुरा दौर देखना पड़ा है। तब से पाकिस्तानी आतंकवाद का ऐसा दौर शुरू हुआ है जो अभी भी जारी है। भारत पर पाकिस्तानी हमले कम नहीं हुए हैं बल्कि हमारी सुरक्षा एजेंसियां ज्यादा सतर्क हो गई हैं जिसके कारण पाकिस्तान कामयाब नहीं हो पा रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी जब सत्ता में आये तो पाकिस्तान के साथ रिश्ते सुधारने के लिए वो लाहौर गए। उनकी इस कोशिश का प्रत्युत्तर पाकिस्तान ने कारगिल पर हमला करके दिया। इस हमले के बाद वाजपेयी पाकिस्तान से पूरी तरह निराश हो गए।

2015 में मोदी काबुल की यात्रा से लौटते हुए अचानक पाकिस्तान के दौरे पर चले गए और तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के साथ बातचीत की। पाकिस्तान ने भारत की इस कोशिश का प्रत्युत्तर पठानकोट पर हमला करके दिया। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय नेतृत्व हमेशा पाकिस्तान से बातचीत करता रहा है लेकिन इसका कभी अच्छा परिणाम हासिल नहीं हुआ। पाकिस्तान भारत का जन्मजात शत्रु है और वो किसी भी कीमत पर अपनी शत्रुता नहीं छोड़ सकता क्योंकि ये शत्रुता उसकी जीवनदायिनी शक्ति है। पाकिस्तानी सेना भारत का डर दिखाकर ही पाकिस्तानी जनता को मूर्ख बना रही है और उसकी पूरी व्यवस्था को कब्जे में लिया हुआ है। पाकिस्तानी सेना के बारे में कहा जाता है कि दुनिया में सब देशों के पास सेना है लेकिन पाकिस्तानी सेना ऐसी है, जिसके पास एक देश है। पाकिस्तान में पता ही नहीं चलता कि किसके साथ बातचीत की जाए । राजनीतिक नेतृत्व के साथ जो बातचीत होती है उसे सैन्य नेतृत्व नहीं मानता और सेना के साथ सीधी बातचीत नहीं हो सकती।

पत्र लिखने वालों ने दोनों देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित करने के लिए बातचीत करने का अनुरोध किया है। दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध स्थापित होने का कौन विरोध कर सकता है. कम से कम भारत में कोई इसका विरोध नहीं करेगा। भारत शुरू से पाकिस्तान से अच्छे संबंध बनाने की कोशिश करता रहा है, इसके बावजूद दोनों देशों के बीच चार-चार युद्ध हो चुके हैं। भारत ने पाकिस्तान पर कभी हमला नहीं किया जबकि पाकिस्तान न केवल भारत पर सैन्य हमले करता रहा है बल्कि 1971 के बाद लगातार आतंकवादी हमले कर रहा है। भारत को पाकिस्तानी सैन्य आक्रमण से ज्यादा नुकसान आतंकवादी हमलों ने पहुंचाया है।

सवाल यह है कि भारत और पाकिस्तान के खराब संबंधों के लिए क्या भारत भी दोषी है। अगर निष्पक्ष रूप से देखा जाए तो भारत के हर नेतृत्व ने पाकिस्तान के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश की है लेकिन उसे इस काम में कोई सफलता नहीं मिली है। पाकिस्तान ने कभी भी भारत के साथ अपने संबंधों को महत्व नहीं दिया है, बल्कि वो हमेशा भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में कठपुतली बना रहा। पहले वो अमेरिका की गोद में बैठकर भारत को धमकाया करता था और अब वो चीन की गोद में बैठकर भारत को हड़काने की कोशिश करता है। अब भारत एक ग्लोबल पावर बन चुका है, जिस पर किसी की धमकी का कोई असर नहीं होता, इसलिए अब पाकिस्तान भारत के साथ बातचीत चाहता है।

राजेश कुमार पासी

मैं से हम तक की यात्रा

दोनों अपनी -अपनी पहचान बनाए रखते हुए भी संबंध को एक नई सामूहिक पहचान हम दे । यह यात्रा त्याग की नहीं , बल्कि साझा होने और साथ बढ़ने की होती हैं । मन की खुराक विचार है। जैसा विचार वैसा ही आचार होता हैं । मनुष्य के वचनों की बड़ी कीमत है। इसलिए हम बात वही कहें जिन्हें निभाने की हिम्मत है। हम यह भी समझें कही बात को निभाने से हमारा कथन ही ऊर्जामय हो जाता है। वह जो व्यक्ति अपने वचनों का सम्मान करता है, उसका अस्तित्व ही एक शक्ति बन जाता है। अतः हम वचन वही बोलें जिन्हें निभाया जा सके। वह किसी अपरिहार्य कारण से निभाना असम्भव हो जाए तो कारण समझाया जा सके। वह जब वाणी और कर्म एक हो जाते हैं तब असंभव कुछ रह ही नहीं जाते हैं। अतः मुख से कोई भी शब्द बिना चिन्तन-मनन के न निकले। अन्यथा बोलें ही ना भले।

> जिज्ञासा व पिपासा के अभाव में ज्ञान का दुर्लभ खजाना हमें कहां मिल पाता है । जानने की उत्सुकता के बिना आदमी ज्ञान शून्यता में ही भटकता रह जाता है । इस विज्ञान की दुनियां में पहले ज्ञान व उसके बाद विज्ञान मिले । हमें जीवन के हर रहस्य की सही सही पहचान मिले । शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक एवं भौतिक इन चार चक्कों पर एक आदर्श जिंदगी की गाड़ी, अगाड़ी - पिछाड़ी चलती है । जो इनमें चारों ही में उचित संतुलित विकास कर संतुलन बिठा कर चल सकते हैं वे जिंदगी को प्रसन्नमन बेझिझक,बिना किसी भय व डर जी सकते हैं। एक परिपक्व समाज व परिवार के लोग सभी का सहयोग समान लेकर यथाशक्य उचित वातावरण बना कर यह काम कर सकते हैं । उनका तन-बदन मजबूत बने। तदर्थ बच्चों को स्वास्थ्याप्रद खेल व व्यायाम सिखाएं । बच्चों को ऐसी शिक्षा भी दें कि काम पड़े वे मानसिक संताप भी झेल सकें । बच्चे आध्यात्मिकता में भी पीछे न रहें , विद्यालयों में भी शिक्षण - प्रशिक्षण हो । जो व्यक्ति, समाज इन चारों धरातल पर चलने में समर्थ हो जाता है, उनका जीवन सदा सद्पथगामी होगा । वह कभी व्यर्थ न जाएगा ।

> **प्रदीप छाजेड़**

भाषाएँ सीखने का...

सीताराम गुप्ता

स्वास्थ्यप्रदायक भी होती है कई भाषाओं की जानकारी

मैंने अपने विद्यार्थी जीवन में और उसके बाद भी कई भाषाएँ सीखीं। मेरे मित्र प्रायः पूछते थे कि ये विभिन्न भाषाएँ सीखने से मुझे क्या लाभ हुआ या होगा? मैं स्वयं नहीं जानता था कि विभिन्न भाषाएँ सीखने से मुझे क्या लाभ होगा। मुझे तो केवल इतना पता है कि भाषाओं और साहित्य में मेरी रूचि रही है। क्योंकि इन भाषाओं के सीखने के पीछे मेरा कोई विशेष लक्ष्य अथवा प्रयोजन नहीं था अतः मैं इन सीखी हुई भाषाओं का विशेष उपयोग या प्रयोग भी नहीं कर पाया। कई बार खीझ-सी भी होती थी कि मैंने समझदारी से काम क्यों नहीं लिया। यदि भाषाओं में ही रुचि थी और सीखनी भी थीं तो उनमें अपना करियर क्यों नहीं बनाया? लगभग चार दशकों के बाद आज भी कभी-कभार मन में आ ही जाता है कि कई भाषाओं के सीखने से आख़िर क्या मिला? क्या लाभ हुआ? अंग्रेज़ी जैसी मात्र एक भाषा के बल पर लोग न जाने कहाँ से कहाँ पहुँच गए और मैं? लेकिन नितांत ऐसा भी नहीं है। हम विद्यार्थी जीवन में प्रारंभिक कक्षाओं से लेकर हायर प्रफेशनल कोर्सेज़ तक में बहुत कुछ सीखते हैं लेकिन बाद में व्यावहारिक या प्रफेशन जीवन में लगता है कि बहुत-सी चीज़ें, बहुत-सी जानकारी अथवा ज्ञान कभी काम ही नहीं आता। यह मिथ्या धारणा है। वर्णों से शब्द और शब्दों से वाक्य

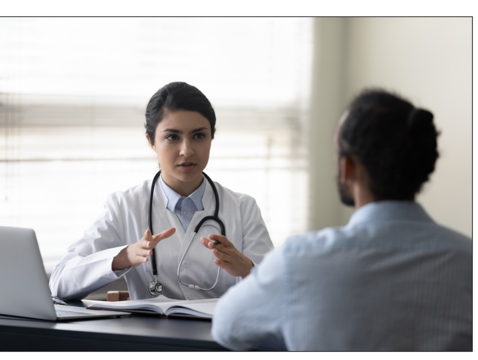

बनते हैं। यदि हम वाक्य बोलना या लिखना सीख जाते हैं तो इसका ये अर्थ कदापि नहीं कि अब हमारे लिए शब्दों या वर्णों का महत्त्व नहीं रहा। बिना वर्णों व शब्दों के हम वाक्य सीख ही नहीं सकते। भवन निर्माण में हर नई ईंट किसी पुरानी अथवा निचली ईंट पर ही लगाई जाती है जो उसका आधार अथवा नींव कहलाती है। नींव अर्थात् आधारभूत ज्ञान की उपेक्षा करने पर उसके ऊपर निर्मित नव अथवा उच्च ज्ञान रूपी इमारत का बनना और बन जाने पर धराशायी हो जाना अवश्यंभावी है। वास्तव में हमने जो भी सीखा होता है वह सभी हमारे मन रूपी कंप्यूटर में फीड हो जाता है और वह हमारी नई जानकारी की आधारशिला बनता है। हम जब चाहें उसका इस्तेमाल कर सकते हैं। नई जानकारी को इस्तेमाल करने का अर्थ है कि हम उसके आधार अर्थात् पुरानी जानकारी का इस्तेमाल भी अनायास कर ही रहे हैं। विभिन्न भाषाएँ भी इसका अपवाद नहीं हैं।

विभिन्न भाषाओं का उपयोग ही नहीं उनका सीखना भी कई प्रकार से अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है। हर भाषा की एक विशेष संरचनात्मक व्यवस्था ही नहीं अपितु उसकी एक विशेष संस्कृति भी होती है। कोई भी भाषा मात्र किसी वर्णमाला विशेष के वर्णों, शब्दों और वाक्यों का समूह नहीं होती अपितु उस भाषा में उसके बोलने वालों का जीवन धड़कता महसूस होता है। किसी भी भाषा के अध्ययन के दौरान हम उस भाषा क्षेत्र के भूगोल, जलवायु, इतिहास, कलाओं, जन-जीवन, रहन-सहन, सामाजिक जीवन आदि की कितनी यथार्थ जानकारी अनायास ही प्राप्त कर लेते हैं। किसी भी समाज अथवा राष्ट्र की कुछ विशिष्ट जानकारी हम केवल उनकी भाषा के माध्यम से ही प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही कई भाषाओं के जानने वाले व्यक्ति कम भाषाओं के जानने वाले व्यक्तियों से अपेक्षाकृत अधिक उदार प्रकृति के भी होते हैं।

भाषाएँ सीखने का हमारे स्वास्थ्य से भी सीधा संबंध है। नई भाषाएँ सीखने के दौरान हमारी एकाग्रता का विकास होता है। हमारे प्रसुप्त ब्रेन सेल्स अथवा न्यूरॉन्स सक्रिय हो जाते हैं और हमारी याददाश्त को तेज़ करने में सहायता करते हैं। भाषाएँ मानसिक सक्रियता बढ़ा देती हैं। मानसिक सक्रियता से हमारी याददाश्त अच्छी बनी रहती है और बुढ़ापा जल्दी नहीं आता। कई बीमारियों से भी बचे रहते हैं। अपनी याददाश्त को चुस्त-दुरुस्त तथा अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए दूसरी नई भाषाएँ सीखने से परहेज़ मत कीजिए। शौकिया ही सही जब भी मौक़ा मिले किसी नई भाषा को लिखने-बोलने के प्रयास में जुट जाइए लाभ में रहेंगे।

नई वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि बचपन में सीखी गई कई भाषाएँ वृद्धावस्था में व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होती हैं क्योंकि एक से अधिक भाषाएँ बोलने वाले व्यक्ति का दिमाग़ केवल एक भाषा जानने वाले व्यक्ति की तुलना में वृद्धावस्था में भी अपेक्षाकृत अधिक सक्रिय रहता है। अधिक भाषाओं की जानकारी व्यक्ति के दिमाग़ के अंदर ऐसे लिंक्स तैयार कर देती है जिनसे व्यक्ति की मानसिक सक्रियता बनी रहती है।

मर्यादा पुरुषोत्तम...

राजेश श्रीवास्तव

राम मंदिर दान में चोरी का कलंक धोना आसान नहीं होगा

2024 में जब राम मंदिर भक्तों के लिए खुल गया तो लगा कि बस इस अध्याय का अंत हो गया है लेकिन मौजूदा घटना एक बार फिर राम मंदिर को सुर्खियों में ले आया और चंपत राय इन सुर्खियों के केंद्र में आ गये। करोड़ों की आस्था, लाखों का रोज दान और इस दान पर चोरों की नजर लग गई। राम मंदिर दान में चोरी पहले इनकार की जा रही थी लेकिन अब साबित हो गई, पैसे बरामद हो गए, एफआईआर हो गई, इस्तीफ़े हो गए, लेकिन राम मंदिर दान की कहानी और किरदार अभी भी बहस का मुद्दा बने हुए हैं।

मर्यादा पुरुषोत्तम की सेवा में लगे लोगों पर चोरी का आरोप लगे तो करोड़ों लोगों की आस्था, भरोसा और इत्मिनान को धक्का लगना ही था। बात सिर्फ चोरी की नहीं थी। भगवान के घर चोरी की थी और वो भी तब जब मंदिर बनाने के लिए कुर्बानियां हर स्तर पर दी गईं। अब सवाल भी हर कोने से पूछे जा रहे हैं। सवाल चोरी करने वालों पर उठे। सवाल उन पर भी उठे जो इन चोरों को खजाने तक लाए थे। इन नामों में सबसे बड़ा नाम चंपत राय बंसल का है। राम मंदिर आंदोलन, राम मंदिर निर्माण और राम मंदिर ट्रस्ट के काम से जुड़े चंपत राय के बेहद करीबी लोग ही वो थे जो दान पैसा चुरा रहे थे। उसे छुपा रहे थे, दान को खपा रहे थे, चंपत राय की नाक के नीचे ये काम हो रहा था। सबसे बड़ा और गहरा सवालिया निशान इसी चेहरे पर लगना लाजमी था। चंपत राय पर खुद पैसा चुराने का आरोप नहीं है लेकिन उनके खास लोगों पर इसका आरोप है। उन्हें गिरफ्तार किया गया है तो उंगलियां उठीं। उंगलियां उठीं तो चंपत राय की बरसों की बनी साख जल कर खाक हो गई।

सवाल उठे कि चंपत राय की नाक के नीचे चोरी हुई या उनकी रजामंदी से, चंपत राय चालाकी से केस छुपाना चाहते थे या चोरी सामने आने पर उन्होंने लापरवाही की, क्योंकि

एफआईआर जब तक हुई, तब तक राम भक्तों के दान में सेंध घर घर की खबर और चिता बन चुका था। राम मंदिर में चोरी की क्रोनोलॉजी को समझिये। 7 जून को सपा नेता पवन पांडेय ने तो 8 जून को अखिलेश यादव ने इस मुद्दे को उछाला तो मामले ने गर्मी पकड़ी। राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े लोग बार बार कह रहे थे कि कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। चंपत राय ने भी यही कहा कि कोई भी ऐसी बात इंटरनल ऑडिट में सामने नहीं आई है, जिसे उल्लेखनीय समझा जा सके। बचाव में बीजेपी भी उतरी। लड़ाई सच झूठ से ज्यादा राजनैतिक स्कोर की होती नजर आई। बीजेपी ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव झूठ बोल रहे हैं जिसका खामियाजा 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में उन्हें उठाना होगा। जब इस तरह की खबरें आने लगीं कि सब कुछ ठीक नहीं है तो यूपी सरकार ने 14 जून को तीन सदस्यीय विशेष जांच दल यानी एसआईटी बना दी, जो अगले ही दिन अयोध्या पहुंच गई और तीन दिन यानी 18 जून तक जांच करती रही। 23 जून को एसआईटी ने शुरूआती रिपोर्ट दी, जिसकी बुनियाद पर ही 25 जून चढ़ावा चोरी में एफआईआई दर्ज की गई, जिस चोरी को चंपत राय सिरे से नकार रहे थे।

जरा हटके

राज्य की अधिकतम...

कुमार कृष्णन

बांका का परमाणु प्रश्न : ऊर्जा पर्यावरण और लोकतंत्र

किसी भी सभ्य समाज का विकास इस बात से नहीं मापा जाता कि उसने कितने बिजलीघर बनाए, कितनी ऊंची इमारतें खड़ी कीं या कितने उद्योग स्थापित किए। विकास की वास्तविक कसौटी यह है कि उसके फैसलों से सबसे कमजोर व्यक्ति का जीवन कितना सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर हुआ। यदि किसी परियोजना से करोड़ों लोगों को लाभ मिले, लेकिन उसके बदले हजारों लोगों को अपनी पुश्तैनी जमीन, जंगल, संस्कृति और पहचान गंवानी पड़े तो लोकतंत्र का पहला दायित्व यही बनता है कि वह विकास और न्याय के बीच संतुलन स्थापित करे। बिहार के बांका जिले के बेलहर प्रखंड की रघुनाथपुर पंचायत आज इसी प्रश्न के केंद्र में खड़ी है। कटहरा, नीमाटांड़, दुबराज, लेटवा, कैथाटीकर, केंदुआ-झरना, मलटड़िया और आसपास के गांवों में प्रस्तावित परमाणु बिजलीघर को लेकर जिस प्रकार की बेचैनी दिखाई दे रही है, वह केवल एक परियोजना का विरोध नहीं है। यह उस विकास मॉडल पर उठता हुआ सवाल है जिसमें स्थानीय समुदाय स्वयं को निर्णय प्रक्रिया से बाहर महसूस करता है। कटहरा के जंगलों में इन दिनों एक असाधारण दृश्य दिखाई देता है। डुगडुगी बजाकर ग्रामीणों को इकट्ठा किया जाता है। महिलाएं, बुजुर्ग और युवा बारी-बारी से जंगल में पहरा दे रहे हैं। भीषण गर्मी और चालीस डिग्री तापमान के बावजूद लोग दिन-रात निगरानी कर रहे हैं। उन्हें आशंका है कि मिट्टी परीक्षण या सर्वेक्षण के नाम पर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। लोकतंत्र में जब नागरिक अपनी ही जमीन की

रक्षा के लिए पहरेदार बन जाएं, तो यह केवल प्रशासनिक घटना नहीं रहती; यह राज्य और समाज के बीच विश्वास की दरार का संकेत बन जाती है। दूसरी ओर सरकार की दलील भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। बिहार तेजी से बदल रहा है। उद्योग आ रहे हैं, शहर फैल रहे हैं और बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। राज्य की अधिकतम बिजली मांग कुछ वर्षों में आठ हजार मेगावाट से बढ़कर दस हजार मेगावाट के करीब पहुंचने का अनुमान है। आज भी बिहार अपनी बड़ी जरूरत बाहरी स्रोतों और ताप विद्युत पर निर्भर होकर पूरी करता है। इसी पृष्ठभूमि में राज्य का पहला परमाणु बिजलीघर प्रस्तावित किया गया है। प्रारंभिक चरण में 700-700 मेगावाट की दो इकाइयां स्थापित करने की योजना है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना बिहार को दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा देगी, औद्योगिक निवेश को गति देगी और भविष्य की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करेगी। ऊर्जा की आवश्यकता पर विवाद नहीं है। प्रश्न यह है कि ऊर्जा किस कीमत पर प्राप्त होगी।

सरकारी फाइलों में जमीन एक खाता और खेसरा नंबर होती है, लेकिन किसान के लिए वही खेत उसकी बैंक भी है, बीमा भी, रोजगार भी और सम्मान भी। ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना के लिए लगभग 1400 एकड़ भूमि चिह्नित की गई है, जिसमें वनभूमि, सरकारी भूमि और रैयती भूमि शामिल है। प्रशासन का कहना है कि फिलहाल केवल सरकारी भूमि पर प्रारंभिक परीक्षण प्रस्तावित है और निजी भूमि पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। यही वह बिंदु है जहां संवाद की सबसे अधिक आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण केवल मुआवजे का विषय नहीं होता। एक खेत छिनने का अर्थ है एक परिवार की आर्थिक स्वतंत्रता समाप्त होना। एक गांव उजड़ने का अर्थ है पीढ़ियों की सामाजिक स्मृतियों का बिखर जाना।

बिहार कृषि प्रधान राज्य है। यहां करोड़ों लोगों की आजीविका खेती पर आधारित है। जलवायु परिवर्तन, घटते भूजल और अनिश्चित मानसून के दौर में कृषि भूमि का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यदि उपजाऊ भूमि का बड़ा हिस्सा भारी परियोजनाओं में परिवर्तित होता है तो उसका असर केवल स्थानीय किसानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि खाद्यान्न उत्पादन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और भविष्य की खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ेगा। भारत को ऊर्जा के साथ-साथ अन्न के मामले में भी आत्मनिर्भर और सुरक्षित रहना होगा। आदिवासी समाज के लिए जल, जंगल और जमीन केवल संसाधन नहीं, बल्कि उनकी संस्कृति, पहचान और अस्तित्व का आधार हैं। जंगल उनके लिए बाजार नहीं, जीवन है; वहां से जलावन मिलता है, औषधियां मिलती हैं, पशुओं का चारा मिलता है और पीढ़ियों की स्मृतियां जुड़ी होती हैं। इसलिए किसी भी विकास परियोजना का मूल्यांकन केवल आर्थिक लाभ से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय प्रभावों से भी किया जाना चाहिए। परमाणु ऊर्जा आधुनिक विज्ञान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है और दुनिया के अनेक देशों की ऊर्जा व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार भी। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि परमाणु संयंत्रों में सुरक्षा के प्रश्न पर किसी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं हो सकता। चेरनोबिल और फुकुशिमा जैसी दुर्घटनाओं ने दुनिया को यही सिखाया है कि तकनीकी दक्षता, पारदर्शिता, स्वतंत्र नियमन और आपदा प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता होने चाहिए। इसलिए इस परियोजना से जुड़े पर्यावरण प्रभाव आकलन, सुरक्षा मानक, जल उपयोग, अपशिष्ट प्रबंधन और आपदा प्रबंधन योजना सार्वजनिक होनी चाहिए तथा स्वतंत्र विशेषज्ञों की भागीदारी के साथ व्यापक जनसुन-वाई आयोजित की जानी चाहिए।

रिटायर्ड-आईएएस के बेटे ने गर्लफ्रेंड को बीच सड़क ईंटें मारीं

वारदात

कानपुर में साथ घूम रहे थे, शादी से इनकार किया तो कार से घसीटकर पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में शादी से इनकार करने पर रिटायर्ड IAS के बेटे देवाशीष निगम (38) ने चलती कार में गर्लफ्रेंड से मारपीट की। उसके सिर और चेहरे पर ईंट से ताबड़तोड़ वार किए। बीच सड़क कार से घसीटकर जमकर लात-घूसों से पिटाई कर लहूलुहान कर दिया। पुलिस ने बताया कि देवाशीष शनिवार शाम 7 बजे युवती के साथ अपनी अमेज कार से बिठूर के ब्रह्मघाट घूमने जा रहे थे। रास्ते में मॉडल डेयरी के सामने रेलवे ट्रैक की सर्विस लेन पर महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग भागकर पहुंचे। आरोपी को पकड़ लिया। उसकी पिटाई कर दी। फिर पुलिस के हवाले कर दिया। गंभीर रूप से घायल

"डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम अबिदी ने बताया- पीड़ित के परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

महिला को इलाज के लिए रामा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। महिला IIT कानपुर में काम करती है। उसका आरोप है कि देवाशीष उस पर शादी का दबाव बना रहा था। मना करने पर वह भड़क गया। घटना बिठूर थाना क्षेत्र की है। इसका वीडियो रविवार सुबह 8 बजे सामने आया। आरोपी देवाशीष निगम स्वरूप नगर के राज

- इसी कार में महिला पर हमला किया गया। ईंट से कई वार किए गए। सीट पर खून फैल गया।
- महिला आईआईटी कानपुर में काम करती है। वह सड़क पर खून से लथपथ तड़पती रही।
- भीड़ ने आरोपी को पकड़कर पीटा। फिर पुलिस के हवाले कर दिया।

टावर का रहने वाला है। मां चंद्रा निगम रिटायर्ड IAS अफसर हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण में तैनात थीं। पिता रमेश शंकर 2014 में आरोपी की हुई थी शादी, महिला के पति की हो चुकी मौत घायल महिला के पति की मौत हो चुकी है। 2005 में शादी हुई थी। उसे 16 साल की एक बेटी है।

देवाशीष और महिला एक-दूसरे को काफी पहले से जानते हैं। अक्सर साथ घूमते-फिरते दिखाई देते थे।निगम का कुछ साल पहले निधन हो चुका है। महिला ने बचने के लिए कार का गेट बंद कर लिया। देवाशीष ने ईंट से कार पर 2 से 3 वार कर शीशा तोड़ दिया। महिला को कार से खींचकर सड़क पर गिरा दिया। फिर ईंट से सिर और शरीर पर कई वार किए।

आरोपी देवाशीष निगम ने पुलिसवालों को धमकाया। कहा- मेरी मां रिटायर्ड IAS अफसर हैं।

"पुलिस के मुताबिक, देवाशीष अपनी कार से 38 साल की गर्लफ्रेंड को लेने आईआईटी कानपुर पहुंचा। फोन कर उसे गेट पर बुलाया। फिर दोनों बिठूर के ब्रह्मघाट घूमने के लिए निकल गए। कार देवाशीष चला रहा था। बगल में महिला बैठी थी। रास्ते में दोनों के बीच शादी की बात को लेकर कहासुनी होने लगी। विवाद बढ़ने के बाद देवाशीष ने सर्विस लेन पर कार रोक दी। महिला को 2-3 थप्पड़ जड़ दिए। तेजी से नीचे उतरा।

स्वरूप नगर के राज टावर में रहने वाले लोगों ने बताया- देवाशीष के बर्रा में दो गेस्ट हाउस हैं। उसकी शादी 2014 में हुई थी। उसकी एक बेटी भी है। पिछले 6 महीने से पत्नी से अलग रह रहा है। घायल महिला के पति की मौत हो चुकी है। 2005 में शादी हुई थी। उसे 16 साल की एक बेटी है। देवाशीष और महिला एक-दूसरे को काफी पहले से जानते हैं।

महिला को रामा मेडिकल कॉलेज से हैलेट किया गया रेफर

गंभीर हालत में महिला को रामा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर हालत में उसे हैलेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है उसे अभी तक होश नहीं आया है। पीड़ित की बहन ने बताया- आरोपी युवक बहन को धमकी देता था। बहन से कहता था कि शादी कर लो। तुम लोग मेरा कुछ बिगाड़ नहीं पाओगी। मेरी मां IAS रह चुकी हैं।

महिला चिल्लाने लगी। यह देखकर आसपास के लोग भागकर आए। आरोपी को पकड़ लिया। सूचना पर पुलिस पहुंची तो आरोपी उन्हें धमकाने लगा। बोला- मेरी मां रिटायर्ड IAS हैं।

फास्ट न्यूज

जंगली सब्जी खाने के बाद बुजुर्ग की मौत

झांसी। झांसी में मकोय की भाजी (जंगली सब्जी) खाने के बाद पिता-पुत्र और बहू की हालत बिगड़ गई। तीनों को उल्टी होने लगी। उनको मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां पर इलाज के दौरान रविवार को झल्लीराम पांचाल (84) की मौत हो गई। वहीं, उनके बेटे छत्रसाल (58) और बहू विद्यादेवी (55) की हालत नाजुक बनी है। रविवार दोपहर 3 बजे पुलिस ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर दोनों से घटना की जानकारी ली।

शहर कांग्रेस कार्यालय को नजूल भूमि पर नोटिस

सीतापुर। सीतापुर में शहर के टाउन हॉल स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाद अब नगर पालिका परिषद ने नजूल पर स्थापित शहर कांग्रेस कार्यालय को भी रविवार को नोटिस जारी किया है। जिलाधिकारी के आदेश पर जारी इस नोटिस में 15 दिनों के भीतर पक्ष प्रस्तुत करने को कहा गया है। निर्धारित अवधि में संतोषजनक जवाब न मिलने पर संबंधित इन्द्राज निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका परिषद की ओर से जारी नोटिस के अनुसार शहर कांग्रेस कमेटी का कार्यालय नजूल भूखंड संख्या-750 पर स्थित घंटाघर इमारत के ऊपरी हिस्से में संचालित है।

संभल में रीलबाज लड़की ने चुपके से अश्लील वीडियो बनाए

संभल। संभल में सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर अरिशा और दो लड़कों के खिलाफ ब्लैकमेलिंग का केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि अरिशा ने एक युवक को प्यार में फंसाकर उसके आपत्तिजनक फोटो-वीडियो बनाए। फिर उसे ब्लैकमेल करने लगी। 55 हजार रुपए की डिमांड की। कहा- रुपए नहीं दिए तो फोटो-वीडियो वायरल कर दूंगी। अरिशा ने रुपए न देने पर छेड़खानी के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी।

बोले- भैया के लिए 200 बार लगा देंगे, सपा प्रमुख ने 9 होते ही रोक लिया

अखिलेश यादव के सामने लेटकर पुशअप लगाने लगे सीताराम यादव

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सामने सपा कार्यकर्ता ने लेटकर पुशअप लगाए। यह झांसी के सीताराम यादव उर्फ कन्हैयालाल हैं। वह कहते हैं कि भैया के लिए एक या दो क्या, 100-200 पुश-अप लगा देंगे। इसके बाद 50 साल के सीताराम अपना मोबाइल और घड़ी टेबल पर रखते हैं और पुशअप लगाना शुरू कर देते हैं। सीताराम के पुशअप की अखिलेश यादव खुद काउंटिंग करते हैं। लेकिन 4 पुशअप के बाद अखिलेश उन्हें रोकते हैं। कहते हैं कि बस-बस रहने दो। इस पर सीताराम जवाब देते हैं कि यहीं अखाड़ा बनेगा। 9 पुशअप लगाने के बाद खुद अखिलेश उन्हें यह कहकर रोकते

"सीताराम यादव उर्फ कन्हैयालाल ने बताया- मैंने लखनऊ कार्यालय पर एक जनवरी 2026 को पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की 38 किलो की पीतल की प्रतिमा सपा प्रमुख अखिलेश यादव को भेंट की थी। मैंने उनसे कहा था कि मुलायम सिंह यादव धरती पुत्र थे और पहलवान भी। मैं भी पहवान हूं। यह सुनते ही कि अखिलेश कहने लगे कि फिर तो पुशअप भी लगाते होंगे। मेरे हां कहते ही अखिलेश यादव बोले लगाकर दिखाओ। तब मैंने मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा को प्रणाम किया और पुशअप लगाए।

हैं कि बस हाथ-पैर दुखेंगे। सीताराम का पुशअप लगाते हुए यह वीडियो 1 जनवरी, 2026 का है। जो सोशल मीडिया पर सामने आया है। सपा प्रमुख का हाल ही में 1 जुलाई को जन्मदिन था। इस मौके पर सीताराम ने लखनऊ जाकर उन्हें 58 किलो की पीतल की प्रतिमा भेंट की थी। जिसमें अखिलेश साइकिल पर सवार हैं।

सपा कार्यकर्ता बोले- अलीगढ़ से बनवाई अखिलेशजी की प्रतिमा

कन्हैयालाल ने बताया- एक जुलाई को अखिलेश यादव का जन्मदिन था। इस मौके पर अलीगढ़ से 58 किलोग्राम की पीतल की खास प्रतिमा बनवाई थी। इसमें अखिलेश यादव साइकिल पर सवार हैं। प्रतिमा लेकर एक जुलाई को लखनऊ कार्यालय पहुंचा तो हजारों की भीड़ थी। मगर अखिलेश यादव ने मुझे देखकर मिलने बुलाया। तब मैंने उनको प्रतिमा भेंट की। अखिलेश यादव दिल के साफ हैं। हमेशा अपने कार्यकर्ताओं का ध्यान रखते हैं।

सुल्तानपुर में हाईटेंशन तार से दो सब्जी विक्रेताओं की मौत

परिजन 5-5 लाख मुआवजे पर अंतिम संस्कार को हुए राजी, प्रदर्शन खत्म

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के शिवगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सकवा में शनिवार शाम हाईटेंशन तार की चपेट में आने से दो सब्जी विक्रेताओं की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद रविवार शाम को शव रखकर प्रदर्शन किया गया। प्रशासन से 5-5 लाख रुपये मुआवजे पर सहमति बनने के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए और प्रदर्शन समाप्त हो गया। यह घटना 4 जुलाई को शंभूगंज बाजार में हुई। सकवा निवासी 60 वर्षीय राधेश्याम और 50 वर्षीय गुरुप्रसाद अपनी सब्जी की दुकानों पर मौजूद थे। तभी अचानक ऊपर से गुजर रहा हाईटेंशन तार टूटकर उन पर गिर गया, जिससे

उन्हें संभलने का मौका नहीं मिला और उनकी जान चली गई। प्रशासन की ओर से लंभुआ के तहसीलदार प्रांजल त्रिपाठी और सीओ ऋतिक कपूर ने परिजनों से बात की। 5-5 लाख रुपये के मुआवजे पर सहमति बनने के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। सुरक्षा की दृष्टि से मौके पर चार थानों की पुलिस फोर्स तैनात की गई थी। इस गंभीर हादसे के बाद विभागीय स्तर पर बड़ी कार्रवाई की गई है। अधीक्षण अभियंता (विद्युत वितरण मंडल, सुल्तानपुर) की प्राथमिक समीक्षा और अभिलेखों की जांच में विद्युत लाइन के रखरखाव, नियमित पेट्रोलिंग और सुरक्षित संचालन में गंभीर लापरवाही सामने आई है। इसके चलते विद्युत उपकेंद्र शिवगढ़ में तैनात अवर अभियंता राजेश कुमार को अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन न करने का दोषी मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जांच पूरी होने तक उन्हें विद्युत वितरण खंड-कादीपुर, सुल्तानपुर से संबद्ध किया गया है। रामगंज उपकेंद्र के अवर अभियंता प्रकाश यादव को शिवगढ़ का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

गर्भ में लड़का है या लड़की, कार में करते जांच

गाजियाबाद में मूविंग नर्सिंग होम पकड़ा, 10 हजार में जांच-20 हजार में अबॉर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में चलती कार में भ्रूण लिंग की जांच और गर्भपात कराने वाले गैंग के चार सदस्यों को पुलिस ने शनिवार देर रात 2 बजे गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन और अन्य उपकरण बरामद किए गए हैं। गैंग गाजियाबाद, दिल्ली और एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में घूमकर कार में ही महिलाओं के गर्भ में पल रहा बच्चा लड़का है या लड़की, इसकी जांच करता था। इसके लिए 8 से 10 हजार रुपए वसूले जाते थे। अगर कोई महिला गर्भपात कराना चाहती, तो उसे नर्सिंग होम ले जाकर झोलाछाप डॉक्टर के जरिए गर्भपात भी कराया जाता था। शहर कोतवाली क्षेत्र के नालकुआं रोड पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। शनिवार रात करीब 12 बजे सीएमओ को मुखबिर से गैंग के बारे में सूचना मिली। इसके बाद सीएमओ के निर्देश पर नोडल अधिकारी की निगरानी में चार

सदस्यीय टीम गठित की गई और कोतवाली पुलिस को भी कार्रवाई में शामिल किया गया। रात 2 बजे UP14FL 9355 नंबर की चलती कार को रोककर तलाशी ली गई। कार में ड्राइवर समेत चार युवक सवार थे। तलाशी के दौरान पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन और अन्य उपकरण बरामद हुए। इसके बाद पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर उपकरण जब्त कर लिए। कोतवाली SHO सचिन बालियान ने बताया कि शनिवार रात करीब 12 बजे सीएमओ को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग चलती कार में भ्रूण लिंग की जांच कर रहे हैं।

13 साल की लड़की को धर्मांतरण के जाल में फंसाया

यूपी में डांस क्लास के बहाने दोस्ती की, वीडियो रिकॉर्डिंग कर देर रात बुलाने लगे

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा। इटावा में 13 साल की लड़की का धर्मांतरण कराने की कोशिश की गई। लड़की डांस सीखने जाती थी। आरोपियों ने उससे दोस्ती के बाद बातचीत की रिकॉर्डिंग कर ली। फिर ब्लैकमेल करने लगे। शुक्रवार को घर वालों ने कोतवाली में शिकायत की, लेकिन पुलिस ने इसे धर्मांतरण का मामला मानने से इनकार कर दिया। हिंदू संगठन के हंगामे के बाद शनिवार देर रात 7 आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया। जांच में सामने आया कि लड़की के मोबाइल पर प्रदेश से बाहर ले जाने और धर्म परिवर्तन से जुड़े मैसेज भेजे गए। आरोपियों में नाबालिग लड़की और एक युवती भी शामिल हैं। पुलिस ने रविवार को पिता-पुत्री समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली लड़की की मां ने पुलिस दी शिकायत में बताया- करीब डेढ़ महीने पहले बेटी ने डांस क्लास जाना

शुरू किया था। यहां एक लड़की ने डांस सिखाने के बहाने बेटी से बातचीत शुरू की। कुछ दिन बाद उसने कुछ लड़कों से बेटी की बात कराई। बात करते समय बेटी की वीडियो कॉल की स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर ली। इसी रिकॉर्डिंग को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की धमकी देकर बेटी को ब्लैकमेल करने लगे। आरोपियों ने बेटी को जबरन बातचीत करने, देर रात मिलने के लिए मजबूर किया। मां का आरोप है कि मुख्य नाबालिग आरोपी ने बेटी पर 'इस्लाम धर्म' स्वीकार करने का दबाव बनाया। जबकि जीशान ने हिंदू धर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। दीपा और नाबालिग आरोपी भी बेटी को मानसिक तौर पर परेशान कर रही थीं। बेटी ने विरोध किया तो आरोपियों ने प्रशासनिक रसूख की धौंस देते हुए कहा कि उनकी हर जगह साठगांठ है। कोई भी थाना उनका मुकदमा दर्ज नहीं करेगा। मां ने बताया कि उनके पास इस पूरे उत्पीड़न से जुड़े व्हाट्सएप चैट, स्क्रीनशॉट, कॉल डिटेल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले को दबाने के लिए कुछ लोगों ने सुबूत मिटाने की कोशिश की है। पिता ने बताया कि बेटी को पिछले करीब डेढ़-दो महीने से डरा-धमकाकर और ब्लैकमेल करके धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा था। इस काम में दीपा और एक लड़की ने मुस्लिम लड़कों से उसकी बातचीत करवाई। लड़के बेटी पर अपने परिवार को छोड़कर साथ आने का दबाव बना रहे थे। मैं मैनपुरी गया था तब पीछे से मकान मालिक अंशु यादव ने बच्चियों को डराया-धमकाया और उनका मोबाइल छीन लिया। इसके बाद बच्ची से मोबाइल का लॉक खुलवाया और उसमें मौजूद रिकॉर्डिंग्स व साक्ष्य डिलीट कर दिए। बेटी को लगातार प्रताड़ित कर मिलने के लिए बुलाया जा रहा था। पुलिस ने आरोपी जीशान, अयान, अंशु यादव, दीपा के अलावा एक नाबालिग लड़की और उसके पिता के खिलाफ केस दर्ज किया है।

लड़की बोली- मुझसे कहती थी भैया से बात करो

पीड़ित लड़की ने बताया कि मेरी दीपा से बात होती थी तो ये हमें बुलाती थीं। कहती थी कि ये जो मेरे भैया हैं, इनसे बात करो। मेरी उससे बात करवाई और हाय-हेलो, इस तरह की रिकॉर्डिंग कर ली। उसके बाद ब्लैकमेलिंग करती थीं कि तुम्हारे मम्मी-पापा को बता देंगे। लड़के के अब्बू कहते थे कि ₹तुम तो हुस्न की परी हो, तुम्हारी बहन तो ईद का चांद है। मेरे पास बैठा करो आकर। उस लड़के के अलावा जीशान और अयान और बहुत सारे लड़के थे, जो परेशान कर रहे थे। ये लोग बोलते थे वहां जाने की कोई जरूरत नहीं है, तुम मेरे धर्म में आ जाओ।

हिंदू संगठन के लोग कोतवाली पहुंचे, जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज किया।

घटना : मां काम कर रही थी, खेलते-खेलते बाहर पहुंच गई, बारिश के बाद भर गया था पानी

गड्ढे में डूबकर डेढ़ साल की बच्ची की मौत

- दिव्यांशी की खेलते समय गड्ढे में डूबकर मौत हो गई।
- बच्ची खेलते-खेलते घर के बाहर पानी से भरे गड्ढे में गिर गई और डूब गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

ललितपुर। ललितपुर में गड्ढे के पानी में डूबकर डेढ़ साल की मासूम की मौत हो गई। रविवार सुबह करीब 11 बजे बच्ची खेलते-खेलते घर के बाहर पहुंच गई। यहां बारिश के बाद एक गड्ढे में करीब 1 फीट पानी भर गया था, जिसमें डगमगा कर गिर गई। घर पर जब बच्ची दिखाई नहीं दी तो घर वालों ने बाहर देखा, जहां मासूम डूबी पड़ी थी। परिजन बच्ची

सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में पिता बच्ची के शव को संभालता दिखा। पुलिस और राजस्व टीम अस्पताल पहुंची और घर वालों को मदद का भरोसा दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मामला गिरार थाना क्षेत्र का है। धौरीसागर गांव के किशनपुरा मजरा में श्रीराम यादव का परिवार रहता है। श्री राम मजदूरी करते हैं। घर में पत्नी शशि और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी साढ़े तीन साल की रियांशी और छोटी बेटी डेढ़ साल की दिव्यांशी थी। रविवार को सुबह करीब 11 बजे मां शशि कुछ काम कर रही थीं। दोनों बेटियां घर में खेल रही थीं और पिता मजदूरी करने गए थे। खेलते-खेलते दिव्यांशी घर के बाहर पहुंच गई। घर के बाहर एक गड्ढा था, शनिवार को बारिश हुई थी, जिसका पानी गड्ढे में भर गया था। दिव्यांशी अभी सही से चल नहीं पाती थी। वह गड्ढे के पास पहुंची और डगमगा कर उसी में गिर गई।

शव को कपड़े से साफ करते रहे परिजन

अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने तुरंत बच्ची की जांच की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। अस्पताल के बाहर पिता मासूम बच्ची के शव को सही से लिटाता दिखा. बाकी परिजन शव से मिट्टी साफ कर रहे थे। मासूम को देखकर वहां मौजूद सभी की आंखें नम हो गईं। पिता श्रीराम यादव ने रोते हुए बताया कि दिव्यांशी उनकी दो बेटियों में सबसे छोटी थी और सबकी लाडली थी। प्रभारी तहसीलदार मनोज कुमार श्रीवास्तव और लेखपाल राजकुमार प्रजापति तुरंत मड़ावरा सीएचसी पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की, उन्हें ढांढस बंधाया और सरकार की तरफ से हर संभव आर्थिक और कानूनी मदद दिलाने का भरोसा दिया।

राजस्व लेखपाल राजकुमार प्रजापति ने बताया कि पानी से भरे गड्ढे में डूबने के कारण डेढ़ साल की बच्ची की जान गई है। इस पूरी घटना की रिपोर्ट तैयार करके उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है ताकि पीड़ित परिवार को सरकारी सहायता मिल सके। घटना की जानकारी गिरार थाना पुलिस को भी दे दी गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मेट्रो अफसरों को भाजपा विधायक का अल्टीमेटम

बोले- 9 महीने से अटका काम अब 7 दिन में पूरा करने का दिया भरोसा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। काकादेव के देवकी टॉकीज चौराहे पर मेट्रो निर्माण के कारण महीनों से हो रहे जलभराव और खराब सड़क को लेकर गोविंद नगर से भाजपा विधायक सुरेंद्र मैथानी ने मेट्रो अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। विधायक का दावा है कि जिस काम को मेट्रो प्रशासन पिछले आठ-नौ महीने में पूरा नहीं कर सका, उसी काम को अब सात दिन में पूरा करने का आश्वासन अधिकारियों ने दिया है। उन्होंने कहा कि अब वह खुद पूरे प्रोजेक्ट की रोजाना मॉनिटरिंग कर रहे हैं। विधायक ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर कहा कि देवकी टॉकीज चौराहे के आसपास मेट्रो निर्माण की वजह से करीब दो से ढाई लाख लोगों को

पिछले कई महीनों से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव, गड्ढों और बदहाल सड़क के कारण लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। सुरेंद्र मैथानी ने कहा कि वह मेट्रो परियोजना के विरोधी नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का वह समर्थन करते हैं। लेकिन यदि निर्माण कार्य की वजह से लाखों लोगों का जीवन प्रभावित हो, जलभराव हो और लोगों को रोजाना परेशानियां झेलनी पड़ें, तो इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, अधिकारियों से साफ कहा कि आज आप यहां हैं, कल आपका तबादला हो जाएगा। निर्माण कंपनी अपना काम पूरा कर चली जाएगी, लेकिन जनता को इन समस्याओं के साथ नहीं छोड़ा जा सकता। विधायक ने कहा कि अभी तीन दिन का समय बाकी है। वह किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होने देंगे और तय समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूरा कराएंगे। मेट्रो के काम की रोजाना मॉनीटरिंग कर रहे हैं। विधायक ने बताया कि मौके पर नगर आयुक्त, मेट्रो के वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक और तकनीकी टीम मौजूद थी।

पुलिस के सामने महिला ने खुद पर पेट्रोल डाला

आग लगाने के लिए निकाली माचिस, मथुरा में रास्ता विवाद को लेकर हाई वोल्टेज ड्रामा

मामला

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा जिले के शेरगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत पीरपुर गांव में शनिवार को रास्ते के विवाद ने अचानक गंभीर रूप ले लिया। मामला उस समय तूल पकड़ गया जब मौके पर पहुंची पुलिस और राजस्व विभाग की टीम के सामने एक महिला ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह का प्रयास कर दिया। इस पूरी घटना का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसमें महिला के आरोप और उसका विरोध स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी लक्ष्मी पत्नी संजय का विहार वन आश्रम से जुड़े एक रास्ते को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यह विवाद खेतों और निजी भूमि से होकर रास्ता निकालने

को लेकर है, जिस पर दोनों पक्षों के बीच पहले से असहमति बनी हुई थी। इसी विवाद के समाधान और सीमांकन के लिए राजस्व विभाग की टीम, लेखपाल और शेरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची थी। आरोप है कि प्रशासनिक टीम द्वारा महिला के निजी खेत से होकर रास्ता निकालने की कार्रवाई की जा रही थी। इसी बात का विरोध करते हुए लक्ष्मी अपने बच्चों के साथ खेत पर पहुंच गई और मौके पर ही विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। महिला का कहना था कि उसकी निजी भूमि से जबरन रास्ता निकाला जा रहा है।

> **"शेरगढ़ पुलिस का कहना है कि विहार वन आश्रम और महिला के बीच रास्ते का मामला राजस्व विभाग के स्तर पर विचाराधीन है। राजस्व टीम ने कार्रवाई के दौरान सुरक्षा की मांग की थी, जिसके चलते पुलिस बल भेजा गया था। पुलिस के अनुसार, महिला द्वारा अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालने के बाद तत्काल कार्रवाई रोक दी गई है। फिलहाल रास्ते का कार्य स्थगित कर दिया गया है और आगे राजस्व विभाग एवं सक्षम अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार ही कार्रवाई की जाएगी।"**

पुलिस पर गंभीर आरोप, रिश्वत लेने का दावा

महिला ने इस दौरान पुलिस पर गंभीर आरोप भी लगाए। उसका कहना था कि उसने कई बार स्थानीय थाना प्रभारी से शिकायत की थी, लेकिन उसकी बात नहीं सुनी गई। महिला ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उसकी शिकायत को अनदेखा किया और कथित तौर पर रिश्वत लेकर उसकी जमीन पर रास्ता निकलवाने की कार्रवाई की जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। विवाद बढ़ने के बीच स्थिति अचानक तनावपूर्ण हो गई। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला गुस्से में अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालते हुए यह कहती नजर आती है कि यदि उसकी जमीन से रास्ता निकाला गया तो वह आत्मदाह कर लेगी। यह दृश्य मौके पर मौजूद लोगों और प्रशासनिक टीम के लिए भी चिंता का विषय बन गया।

माचिस निकालकर आग लगाने का प्रयास

स्थिति तब और गंभीर हो गई जब महिला ने कथित तौर पर माचिस निकालकर आग लगाने का प्रयास किया। इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों, राजस्व टीम और ग्रामीणों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और उसे रोकने का प्रयास किया। काफी समझाने-बुझाने के बाद किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया गया और बड़ी घटना होने से बचाव हो सका।

घटना के दौरान गांव में भारी भीड़ इकट्ठा हो गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोग इस पूरे घटनाक्रम को देखकर हैरान रह गए।

'श्रीकृष्ण जन्मभूमि हमारी है, इसे लेकर रहेंगे'

मथुरा में 9 अगस्त को कार सेवा का ऐलान, चित्रगुप्त पीठाधीश्वर बोले- भगवाधारी आ रहे हैं

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पास बने गुंबद को हटाने की मांग तेज हो गई है। चित्रगुप्त पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने इसे विवादित बताया है। इसे हटाने के लिए 9 अगस्त को कार सेवा का ऐलान किया है। शनिवार शाम 4 बजे पोस्टर एक पोस्टर भी जारी किया। इस अभियान के समर्थन में स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने पोस्टर जारी किया है। सनातनी हिंदुओं से श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचने की अपील की है। पोस्टर में जन्मभूमि मुक्ति को धर्म, अधिकार और संकल्प बताते हुए 9 अगस्त सुबह 10 बजे मथुरा आने का आह्वान किया गया है। स्वामी सच्चिदानंद के इस ऐलान को कई साधु-संतों और निर्मोही अखाड़े का समर्थन भी मिला है। संतों ने आंदोलन में कार सेवा का समर्थन करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश

यादव से भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति अभियान में शामिल होने की अपील की है। चित्रगुप्त पीठाधिश्वर सच्चिदानंद महाराज ने निर्मोही अखाड़े में संतों से आंदोलन को लेकर चर्चा की। निर्मोही अखाड़े के संतों ने कृष्ण जन्म भूमि की मुक्ति के लिए कार सेवा का समर्थन किया। साथ ही पूर्व सीएम अखिलेश यादव को भी इस काम में शामिल होने के लिए आग्रह किया। सच्चिदानंद महाराज ने नारा दिया है'एक धक्का और दो चित्र गुप्त पीठाधीश्वर ने मिडिया से बातचीत करते हुए कार सेवा की तारीख 9 अगस्त की घोषणा करते हुए सनातनी हिन्दुओं को शामिल होने की अपील की है।

फास्ट न्यूज

मुरादाबाद में बीच सड़क युवक की पिटाई

मुरादाबाद। मुरादाबाद में बीच सड़क एक युवक के साथ मारपीट का वीडियो सामने आया है। यह घटना शनिवार देर रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। जबकि इसका वीडियो रविवार सुबह 10 बजे सामने आया। वीडियो में तीन-चार लोग एक युवक को ऑटो से खींचकर सड़क पर गिराते और उसके साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। हमलावरों में दो युवतियां भी शामिल हैं, जो युवक पर लात-घूंसों से हमला करती नजर आ रही हैं।

5 हजार लोगों के आशियने का सपना होगा पूरा

आगरा। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत आगरा के गरीब और जरूरतमंद परिवारों का अपना घर का सपना साकार होने की ओर बढ़ रहा है। नगर निगम अब लगभग 5 हजार पात्र परिवारों को पक्के आवास का लाभ दिलाने की दिशा में काम कर रहा है। फिलहाल 2,685 लाभार्थियों के आवास स्वीकृत हो चुके हैं, जिनके खातों में पहली किश्त की 1 लाख की धनराशि भेजी जा चुकी है। आगरा में 21,428 आवेदनों का भौतिक सत्यापन तेजी से कराया जा रहा है। बाकी पात्र आवेदकों के खाते भी जल्द धनराशि भेजी जाएगी।

400 रुपए के विवाद में युवक-युवती में मारपीट

कोल। अलीगढ़ के बन्नादेवी थाना क्षेत्र स्थित रेलवे माल गोदाम के पास 400 रुपये के विवाद को लेकर एक युवक और युवती के बीच मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। यह घटना शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है, जबकि इसका वीडियो 4 जुलाई 2026 दिन शनिवार समय करीब 8:00 बजे को चर्चा का विषय बना। वायरल वीडियो में युवक खुद को 'लकी' बताते हुए दावा कर रहा है कि वह मथुरा से दर्शन कर अलीगढ़ लौट रहा था।

9 महीने बाद भी नहीं मिला सुराग, एसएसपी ने लिया फैसला

मुरादाबाद में फूलवती हत्याकांड की जांच अब क्राइम ब्रांच करेगी

लगातार नौ महीने तक मामले का खुलासा नहीं होने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने 4 जुलाई की देर रात आदेश जारी कर विवेचना को कोतवाली पुलिस से हटाकर क्राइम ब्रांच को सौंप दिया। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि क्राइम ब्रांच तकनीकी और अन्य पहलुओं से जांच कर मामले के खुलासे का प्रयास करेगी।

तमसा संकेत, एजेंसी

बिलारी। मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा क्षेत्र में नौ महीने पहले हुई महिला (65) की हत्या का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। मामले में कोई ठोस सुराग न मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने जांच स्थानीय पुलिस से लेकर क्राइम ब्रांच को सौंप दी है। अब क्राइम ब्रांच पूरे मामले की नए सिरे से जांच करेगी। मामला ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के माधोवाला गांव की रहने वाली 65 वर्षीय फूलवती का है। वह 23 सितंबर 2025 को घर से ठाकुरद्वारा जाने के लिए निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। परिजनों की तलाश के बावजूद

उनका कोई पता नहीं चला। पांच दिन बाद 28 सितंबर को कमालपुरी खालसा गांव के पास नहर किनारे उनका क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि फूलवती की गला घोंटकर हत्या की गई थी। वारदात के समय उनके शरीर से कीमती आभूषण भी गायब थे। इसके आधार पर पुलिस ने लूट के इरादे से हत्या किए जाने की आशंका जताई थी। घटना के खुलासे के लिए स्थानीय पुलिस ने उत्तर प्रदेश और पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के कई इलाकों में दबिश दी। कई संदिग्धों से पूछताछ भी की गई, लेकिन जांच किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी। जांच के दौरान पुलिस को उत्तराखंड के जसपुर क्षेत्र में 65 वर्षीय ओमवती की हत्या से इस घटना की समानता मिली थी। इसके बाद दोनों हत्याओं के बीच किसी अंतर-राज्यीय गिरोह या आपसी कनेक्शन की संभावना को भी जांच में शामिल किया गया, लेकिन इस दिशा में भी कोई सफलता नहीं मिली।

प्लॉट कब्जा करने के मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों में राजा भैया की पार्टी का युवा जिलाध्यक्ष भी शामिल, मास्टरमाइंड की तलाश

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ के महुआखेड़ा थाना क्षेत्र के कयामपुर में करीब 30 लोगों के प्लॉटों पर कथित अवैध कब्जे के मामले में पुलिस ने शनिवार रात में 8 बजे दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के युवा जिलाध्यक्ष अनुज ठाकुर और दीपक कुमार सिंह शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि मामले का मुख्य आरोपी अनुराग ठाकुर अभी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। यह मामला 27 जून 2026 का है। आरोप है कि कयामपुर में करीब 30 प्लॉटों पर कब्जा करने की कोशिश के दौरान आरोपियों ने बाउंड्रीवाल बुलडोजर से गिरा दी। जब महिलाओं और स्थानीय लोगों ने विरोध किया तो उन पर बुलडोजर

चढ़ाने की कोशिश की गई। दहशत फैलाने के लिए फायरिंग करने का भी आरोप है। घटना के बाद दो दर्जन से अधिक महिला और पुरुष एसपी सिटी आदित्य बंसल से मिले थे। पीड़ितों ने बताया था कि उन्होंने वर्ष 2018 में 50 और 100 गज के प्लॉट खरीदे थे। कुछ महिलाओं ने अपनी बेटियों के नाम भी प्लॉट खरीदे थे, लेकिन आरोपियों ने बुलडोजर चलाकर बाउंड्रीवाल गिरा दी। पीड़ितों का आरोप था कि विरोध करने पर हथियारबंद लोगों ने उन्हें धमकाया और बुलडोजर से कुचलने की कोशिश की। महिलाओं ने घटना के वीडियो भी पुलिस को सौंपे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मौके पर मौजूद कुछ पुलिसकर्मियों ने उनकी मदद नहीं की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अनुज ठाकुर और दीपक कुमार सिंह के खिलाफ पहले से 10-10 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस मामले में दो अन्य आरोपी संजय और आंशु उर्फ प्रदीप को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। पूरे प्रकरण में अब तक 10 एफआ-ईआर दर्ज हो चुकी हैं। एसपी सिटी आदित्य बंसल ने बताया कि जांच में महिलाओं के प्लॉटों पर अवैध कब्जे की शिकायत सही पाई गई, जिसके बाद मुकदमे दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि पुलिस साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई कर रही है।

पुलिस ने ऑटो में सवारियों को लूटने वाला गैंग पकड़ा

पहले से सवारी बनकर बैठते थे, चाकू दिखाकर मोबाइल-रुपए छीन लेते थे

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के थाना हरीपर्वत पुलिस ने ऑटो में सवारी बैठाकर उनसे रुपये व मोबाइल फोन छीनने वाले गैंग के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार दोपहर तीन बजे तीनों को जेल भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7,080 रुपये नगद, घटना में प्रयुक्त एक ऑटो, एक मोबाइल फोन और एक चाकू बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 3 जुलाई को वादी ने सूचना दी कि 25 जून 2026 को वह अपनी पत्नी के साथ अस्पताल से लौटते समय एक ऑटो में सवार हुआ था, जिसमें पहले से 2-3 लोग बैठे थे। कुछ दूर चलने के बाद आरोपियों ने 17,000 रुपये

छीन लिए और सुल्तानगंज पुलिया के पास उतारकर फरार हो गए। इस संबंध में थाना हरीपर्वत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना शुक्रवार की रात में कार्रवाई करते हुए गोल्ड मोहल्ला फैक्ट्री नाला महादेव फ्रेंड्स के पास से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में फरमान उर्फ अड्डा, शानू पुत्र शहीद खां और करन दिवाकर शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अपने साथी अल्ताफ निवासी रामगढ़, फिरोजाबाद के साथ मिलकर शहर के अलग-अलग स्थानों से सीधे-सादे लोगों को ऑटो में बैठाते थे और मौका पाकर उनसे रुपये व मोबाइल फोन छीन लेते थे। विरोध करने पर चाकू दिखाकर धमकाते थे। चोरी के मोबाइल फोन को राह चलते लोगों को सस्ते दाम में बेच देते थे और लूट की रकम आपस में बांट लेते थे। पुलिस ने बताया कि घटना में वांछित आरोपी अल्ताफ की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

आगरा में पत्नी जेल भेजी गई, डेढ़ फीट का गड्ढा खोदकर लाश गाड़ी थी

पति को बाथरूम में दफनाया, घूंघट से मुंह छिपाती रही

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। यूपी के आगरा में पति को बाथरूम में दफनाने वाली पत्नी को शनिवार शाम 5 बजे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जेल जाते वक्त रूबी घूंघट में मुंह छिपाती रही। उसने करीब एक फीट लंबा घूंघट कर रखा था। पुलिस पूछताछ में रूबी ने बताया कि पति सुरेंद्र शराब पीकर उसे मारता-पीटता था। वह 16 साल से परेशान थी। इसलिए उसने पति के खाने में नींद की गोलियां पीसकर मिला दीं। रात करीब 3 बजे उठी तो देखा कि उनकी सांसें नहीं चल रही थीं। उसने बताया- सुबह उसने सास और बच्चों को जेठ के साथ भेज दिया। बाथरूम में गड्ढा खोदा। शव घसीटकर ले गई और गाड़ दिया। 400 रुपए में मिट्टी

रूबी, आरोपी पत्नी

मंगाई। मिट्टी से जगह बराबर की। अगले दिन मजदूर बुलाकर वहां सीमेंट का फर्श बनवा दिया। राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले सुरेंद्र कुमार शर्मा (44) सिकंदरा के दहतोरा स्थित रेणुका धाम कॉलोनी में रहते थे। उनकी शादी साल 2010 में रूबी से हुई थी। रूबी इटावा की रहने वाली है। उनकी दो बेटियां रिद्धी (13) और सिद्धी (9) हैं। सुरेंद्र के साथ उनकी मां कमला भी रहती थीं। उन्हें आंखों से कम दिखाई देता है।

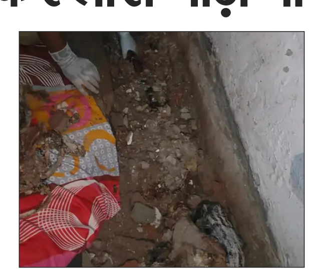

हत्या से पहले भरतपुर में हुआ था झगड़ा

हत्या से 2 दिन पहले 16 मई को सुरेंद्र भरतपुर में अपनी रिश्तेदारी में गया था। वहां पर भी मेरा उससे झगड़ा हो गया था। मेरे रिश्तेदारों ने पुलिस केस करने की बात कही थी। इसके बाद सुरेंद्र ने रिश्तेदारों को समझाने के लिए 17 मई को मुझे फिर से भरतपुर भेजा।

लेकिन, वहां पर मेरे साथ भी बुरा व्यवहार हुआ। पति और बच्चों के साथ मुझे भी जेल भेजने की धमकी दी गई। इससे मैं आहत थी। मेरे मन में पति के व्यवहार को लेकर बहुत गुस्सा था।

> **"रूबी ने बताया- मेरा पति और सास नींद की गोलियां खाती थीं। मैंने पति के खाने में नींद की गोलियां पीसकर मिला दीं। खाना खाकर पति और बच्चे सब एक कमरे में सो गए। रात करीब 3 बजे मैं उठी। मैंने देखा कि पति की सांसें थम चुकी हैं।**

पृष्ठ 01 का शेष...

राममंदिर चोरी ...

इस बीच, लखनऊ में आम आदमी पार्टी के कार्यालय के बाहर रविवार को एक पोस्टर लगाया गया। पोस्टर पर लिखा है- 'चंदा चोर पार्टी का प्रवेश वर्जित है।' सूत्रों के मुताबिक, जांच पूरी होने पर SIT 15 जुलाई के बाद FIR दर्ज करा सकती है। मुकदमे में मंदिर ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव को आरोपी बनाया जा सकता है। VHP के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार की तरफ से राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर पत्र लिखकर विपक्षी नेताओं के आरोपों की जांच की मांग पर ओडिशा कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा- प्रियंका गांधी,राहुल गांधी या देश के अन्य लोगों ने जो बात सार्वजनिक तौर पर कह दी है, उसे आप नोट करके जांच सकते हैं। आपका काम है कि ऐसी चोरी आगे न हो, ये सुनिश्चित करें। श्रद्धालुओं के चढ़ावे के पैसे लूटकर आप अधर्म तो कर ही चुके हैं, लेकिन आप अब राजनीतिक बात न करें। लोगों को जो फीडबैक प्राप्त हो रहा है, उसे वे सामने रखेंगे। लोकतंत्र है। आप चाहते हैं कि विपक्ष के नेता आकर अपनी बातों का साक्ष्य दें। ये क्या तरीका हुआ? चोरी हुई है ये तो प्रमाणित हुआ है। जब ये बात प्रमाणित हो गई तो चोर कौन-कौन है, मुख्य आरोपी कौन है 6 जुलाई को मंदिर ट्रस्ट की बैठक में ट्रस्टी दिनेंद्र दास मौजूद नहीं रहेंगे। उन्होंने बताया- वह बाहर रहेंगे, लेकिन बैठक में सभी से संपर्क में रहेंगे। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों का मामला है और बैठक में सदस्य जो भी निर्णय लेंगे, वही सभी को मान्य होगा। अयोध्या पुलिस जिला कारागार में बंद पांच आरोपियों से पूछताछ करने जेल पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, पांचों आरोपियों को अलग-अलग बैरक में बंद कर दिया गया है। अयोध्या CO आशुतोष तिवारी आरोपियों से पूछताछ करेंगे। AAP दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने VHP के अंतरष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार की तरफ से पत्र लिखकर विपक्षी नेताओं के आरोपों की जांच की मांग पर कहा- इससे ये बात साफ है कि विश्व हिंदू परिषद परेशान है कि चोरी की बात पूरे देश में की जा रही है। यदि उनकी नीयत साफ होती तो वे कहते कि VHP के अंदर कई लोग हैं, जो इस बारे में बताना चाहते हैं, क्योंकि उन्हीं की संस्था से जुड़े लोग इस ट्रस्ट में शामिल थे। लेकिन, एक भी गवाह उन्होंने पेश नहीं किया। इसका मतलब आलोक कुमार ने सरेंडर कर दिया है।

हमने कुर्बानी दी...

केशव ने कार्यकर्ताओं से कहा- योगी जी की तीसरी बार सरकार बनी है। ब्रजेश ने कहा- योगीजी को देखकर माफिया डरते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार दोपहर 2 बजे लंच के लिए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के घर पहुंचे। उनके साथ सीएम योगी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी भी पहुंचे। ब्रजेश पाठक खुद प्लेट में आम लेकर पहुंचे। फिर चारपाई पर साथ बैठकर सभी ने आम खाया। इससे पहले, नितिन नवीन ने NDA के सहयोगी दलों के नेताओं से मुलाकात की। निषाद पार्टी अध्यक्ष संजय निषाद, सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर, अपना दल (एस) की प्रमुख अनुप्रिया पटेल के पति आशीष पटेल और रालोद महासचिव त्रिलोक त्यागी से 10-10 मिनट बातचीत की। मीटिंग के बाद संजय निषाद, राजभर और आशीष पटेल ने बताया कि सीट बंटवारे पर कोई चर्चा नहीं हुई। 2027 का चुनाव कैसे जीता जाए, इस पर नितिन नवीन ने चर्चा की। भाजपा नेता अपर्णा यादव ने भी नितिन नवीन से मुलाकात की। नितिन नवीन ने उनके पति प्रतीक यादव के निधन पर दुख जताया। इससे पहले, नितिन नवीन ने भाजपा के पूर्व अध्यक्षों के साथ बैठक की। उन्होंने पूर्व अध्यक्षों से यूपी की राजनीति का मिजाज समझा और जातीय समीकरणों पर भी चर्चा की। नितिन नवीन ने शनिवार को लखनऊ एयरपोर्ट से भाजपा कार्यालय तक करीब 18 किमी का रोड शो किया। इसमें मुस्लिम महिलाएं भी शामिल हुईं। लखनऊ की मशहूर शर्मा जी की चाय की दुकान पहुंचे और चाय की चुस्की ली। शाम को होटल ताज में भाजपा के सांसदों, विधायकों और मंत्रियों की बैठक की। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर कहा- जो हुआ, वह गलत हुआ है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। पिछले नौ सालों में यह दूसरा मौका है, जब सीएम योगी डिप्टी सीएम केशव मौर्य के घर गए हैं। इससे पहले 22 जून 2021 को अपने पहले कार्यकाल के साढ़े चार साल पूरे होने के दौरान वह केशव मौर्य के आवास पहुंचे थे। उस समय संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबोले और कृष्ण गोपाल की पहल पर यह मुलाकात हुई थी। कार्यक्रम केशव मौर्य के बेटे और बहू को शादी की शुभकामनाएं और आशीर्वाद देने के लिए आयोजित किया गया था। इस बार भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन और संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष की मौजूदगी में मुख्यमंत्री योगी ने केशव मौर्य के आवास पर चाय-नाश्ता किया। नेताओं के लिए राजस्थानी घेवर, दही बड़ा, टिक्की चाट, खमण ढोकला, मसाला डोसा, इडली-सांभर समेत कई व्यंजन परोसे गए। लखनऊ में रविवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के सरकारी आवास पर नितिन नवीन, सीएम योगी आदित्यनाथ, ब्रजेश पाठक, बी.एल. संतोष और पंकज चौधरी पहुंचे। इस दौरान केशव मौर्य ने सभी नेताओं का पंचशील का अंगवस्त्र पहनाकर और भगवान तथागत बुद्ध की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया।

पीओके में पाकिस्तानी ...

संगठन का दावा है कि प्रदर्शनकारी प्रशासन के दबाव के बावजूद पीछे नहीं हटे। वहीं, JAAC की अपील पर न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में रहने वाले कश्मीरी समुदाय ने भी प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने JAAC के कोर कमेटी सदस्य शौकत नवाज मीर की गिरफ्तारी का विरोध किया और उनकी रिहाई की मांग की। JAAC का कहना है कि शौकत नवाज मीर की गिरफ्तारी के बाद पूरे PoJK में तनाव बढ़ गया है। संगठन ने सोशल मीडिया पर 'रीलिज शौकत मीर' अभियान चलाया, जिसके तहत लोगों से आंदोलन में शामिल होने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान 'लॉन्ग लिव कश्मीर' और 'लॉन्ग लिव द पीपल' जैसे नारे लगाए गए। JAAC ने सोशल मीडिया पर PoK के 10 जिलों की अनुमानित आबादी का आंकड़ा साझा किया। संगठन के मुताबिक, यदि प्रत्येक जिले से 50 हजार लोग प्रदर्शन में शामिल हों तो कुल संख्या पांच लाख तक पहुंच सकती है। संगठन ने लोगों से सफेद झंडे के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने और अनुशासन बनाए रखने की अपील की। उनका कहना है कि उद्देश्य दुनिया को यह संदेश देना है कि प्रदर्शन केवल बुनियादी अधिकारों की मांग के लिए है। PoK के कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने दावा किया कि शौकत नवाज मीर की गिरफ्तारी के बाद 600 से अधिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि 5 जुलाई को लंदन में भी पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन की तैयारी है। रॉयटर्स के मुताबिक मृतकों में 4 पुलिसकर्मी भी शामिल थे।

मुझे रोकना है तो ...

कि 2023 के बाद पार्टी का अस्तित्व नहीं रहा। पार्टी ने ही उन्हें राजनीतिक पहचान दी, लेकिन अब वे उसी पार्टी के साथ विश्वासघात कर रहे हैं और खुले तौर पर भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। अगर हिम्मत है तो खुलकर भाजपा में शामिल हो जाइए। कुछ लोगों ने केंद्रीय बलों की मदद से तृणमूल भवन पर कब्जा कर लिया। भवन का किराया अक्टूबर 2027 तक जमा है और पार्टी हर महीने एक लाख रुपए किराया देती है। यह किसी व्यक्ति की संपत्ति नहीं, बल्कि 'मां, माटी, मानुष' की संपत्ति है। इमारत पर कब्जा किया जा सकता है, लेकिन लोगों के दिलों पर नहीं। भाजपा ने वोट, वोटर लिस्ट और काउंटिंग प्रक्रिया को प्रभावित कर सत्ता हासिल की है। केंद्रीय बलों की मदद से मतगणना केंद्रों पर कब्जा किया गया और पूरी प्रक्रिया को हाईजैक किया गया।

स्वियातेक बोली थीं- जो भी करना, 100% देना ■ 3 साल बाद ईला ने मात दी

21 साल की ईला ने विंबलडन चैंपियन स्वियातेक को हराया

मैच

लंदन, एजेंसी

■ फिलिपिंस की ईला जीत के बाद भावुक हो गईं और कोर्ट पर बैठ गईं।

विंबलडन में शनिवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर 21 साल की एलेक्जेंड्रा ईला ने डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक को 7-6 (9), 6-2 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। वे किसी भी ग्रैंड स्लैम सिंगल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बन गई हैं।

मैच जीतने के बाद ईला कोर्ट पर घुटनों के बल बैठ गईं और भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, 'अपने देश के लोगों का समर्थन मेरे लिए बेहद खास है। यह जीत मैं अपने परिवार और फिलीपींस की सभी छोटी लड़कियों को समर्पित करती हूं।'

3 साल पहले स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन जीता था। इसके बाद राफेल नडाल एकेडमी गई थीं। यहीं से ईला ग्रेजुएशन कर रही थी। स्वियातेक ने ईला को सर्टिफिकेट दिया था। स्वियातेक ने अपनी स्पीच में कहा था- जो भी करना, उसमें अपना 100% देना। ईला ने स्वियातेक को दूसरी बार मात दी है। वे पिछले साल मियामी ओपन में भी स्वियातेक को हरा चुकी हैं। आज की जीत के बाद ईला ने कहा- 'स्कूल के बाद रफल्ड मोजे और लाइट वाले जूते पहनकर मैं रोज ट्रेनिंग के लिए जाती थी। आज की यह जीत बचपन की उस छोटी ईला, मेरे परिवार, मेरे देश और उन सभी लड़कियों के नाम है, जो बड़े सपने देखती हैं।'

> फिलीपींस में बड़ी होने के दौरान ईला के पास ग्रास कोर्ट पर खेलने का विकल्प नहीं था। इसके बजाय वे एक ऐसे कोर्ट का इस्तेमाल करती थीं, जो बास्केटबॉल कोर्ट था। ईला ने कहा, 'वहां बास्केटबॉल हूप्स होते थे, इसलिए मैं ज्यादा पीछे नहीं हट सकती थी। क्योंकि, तब मैं बास्केटबॉल हूप से टकरा जाती।'

ईला ने स्वियातेक को सीधे सेटों में हराया

युवा स्टार ईला ने लेडीज सिंगल्स में दुनिया की नंबर-3 की इगा स्वियातेक को 2 घंटे 15 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे सेटों से हराया। पहले सेट में ईला ने टाईब्रेक के दौरान 2 सेट प्वाइंट बचाए और 7-6 (9) से बढ़त बना ली।

ईला ने दूसरे सेट में उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए स्वियातेक को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 6-2 से सेट को अपने नाम किया। वे अब राउंड ऑफ 16 में 13वीं सीड जैस्मिन पाओलिनी का सामना करेंगी।

पोलैंड की तीसरी वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने पिछले साल विंबलडन का खिताब जीता था। हार के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि अहम मौकों पर ईला ने उनसे बेहतर खेल दिखाया।

फ्रांस चौथी बार फीफा वर्ल्डकप के क्वार्टर फाइनल में

फिलाडेल्फिया, एजेंसी

फ्रांस फुटबॉल वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है। उसने चौथी बार टॉप-8 में जगह बनाई है। फ्रांसीसी टीम ने रविवार सुबह खेले गए मैच में पैराग्वे को 1-0 से हराया। स्टार फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे ने दूसरे हाफ में पेनल्टी पर निर्णायक गोल किया।

फिलाडेल्फिया स्टेडियम में मैच के बाद पैराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल खेल भावना के तहत एमबाप्पे से हाथ मिलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन एमबाप्पे ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। इससे निराश गिल ने फुटबॉल एमबाप्पे की ओर उछाल दी, जोकि फ्रांस के फॉरवर्ड की पीठ पर लगी।

फ्रांस का क्वार्टर फाइनल मैच 9 जुलाई की रात 1:30 बजे से मोरक्को से होगा। मोरक्को ने शनिवार देर रात राउंड ऑफ 16 के पहले मुकाबले में मेजबान कनाडा को 3-0 के अंतर से मात दी। इस जीत के साथ मोरक्को वर्ल्ड कप इतिहास में एक से ज्यादा बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। इससे पहले वह 2022 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था।

पैराग्वे ने डिफेंसिव खेल दिखाया। 70वें मिनट में VAR (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) रिव्यू के बाद फ्रांस को पेनल्टी मिली। डिएगो गोमेज पर फाउल का फैसला आने के बाद किलियन एमबाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई।

■ **एमबाप्पे ने हाथ नहीं मिलाया तो पैराग्वे के गोलकीपर ने फुटबॉल मारी**

डेब्यू कैप मिलते ही रो पड़े वैभव सूर्यवंशी भारत के सबसे युवा क्रिकेटर बने

इंग्लैंड का भारत के खिलाफ सबसे बड़ा रनचेज

मैनचेस्टर, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर बन गए। उन्होंने 15 साल 99 दिन में पहला मैच खेलकर सचिन तेंदुलकर और शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

मैनचेस्टर में तिलक वर्मा ने वैभव को डेब्यू कैप दी। इसके बाद वे भावुक होकर रो पड़े। हालांकि, उनका पहला इंटरनेशनल मैच जीत के साथ यादगार नहीं बन सका। इंग्लैंड ने 191 रन का टारगेट 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह टी-20 में भारत के खिलाफ इंग्लैंड का सबसे बड़ा रनचेज भी रहा। मुकाबले में कई यादगार मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले। वैभव इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले चौथे सबसे युवा खिलाड़ी बने हैं। जर्सी की निया चार्लोट ग्रेग सबसे कम उम्र में इंटर-नेशनल क्रिकेट खेलने वाली

क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2019 में 11 साल, 40 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था। उनके नाम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। पुरुषों में रोमानिया के मारियन गेरासिम सबसे कम उम्र में इंटरने-शनल डेब्यू करने वाले पुरुष क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2020 में 14 साल और 16 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था।

> वैभव इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले भारत के यंगेस्ट क्रिकेटर बने। उन्होंने 15 साल 99 दिन की उम्र में पहला मैच खेला। वैभव ने शेफाली वर्मा और सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। शेफाली ने 15 साल 239 दिन और सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में भारत के लिए पहला मैच खेला था।

शान मसूद को खराब प्रदर्शन के कारण हटाया, विंडीज से 2 मैच की सीरीज

बाबर 3 साल बाद पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान बने

कराची, एजेंसी

बाबर आजम एक बार फिर पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान बनाए गए हैं। उन्हें दूसरी बार टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है। जबकि, शान मसूद को टीम के खराब प्रदर्शन के कारण कप्तानी से हटा दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने रविवार को टेस्ट टीम का ऐलान किया।

PCB के हाई-परफॉर्मेंस डायरेक्टर आकिब जावेद ने कहा- 'टीम बार-बार जीते हुए मैच गंवा रही है। शान मसूद की कप्तानी में लीडरशिप नजर नहीं आती है। पाकिस्तानी टीम इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। पहला मैच 25 से तारौबा में और दूसरा मैच 2 अगस्त से पोर्ट ऑफ स्पेन में खेला जाएगा। इसके बाद पाकिस्तानी टीम इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। शान मसूद की कप्तानी में पाकिस्तान लगातार अपने पिछले सात टेस्ट मैच भी हार चुका है। जो टीम के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे लंबी हार की श्रृंखला है। करीब 3 साल पहले टेस्ट कप्तान बनाए गए शान मसूद ने 16 मैचों में कप्तानी की, जिसमें से टीम को 12 हार का सामना करना पड़ा। टेस्ट इतिहास में कोई भी कप्तान अपने शुरुआती 16 टेस्ट में 12 मैच नहीं हारा है।

मसूद की कप्तानी गई, टीम में शामिल हैं

कप्तानी से हटाने के बाद शान मसूद टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। आकिब जावेद ने कहा, 'शान का व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा रहा, लेकिन कप्तान के रूप में वे टीम को नतीजे नहीं दिला सके। कप्तान की जिम्मेदारी सिर्फ टॉस तक सीमित नहीं होती, बल्कि मैच को खत्म करना, DRS लेना और टीम को सही दिशा देना भी उसकी जिम्मेदारी है।' बता दें कि कप्तान बनने के बाद उनका बैटिंग औसत पहले से बेहतर हुआ। उन्होंने दो शतक तथा सात अर्धशतक लगाए।

सैमसन को न खिलाने के बाद गंभीर ने बात की

मैनचेस्टर । इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 में भारत के टीम मैनेजमेंट ने खराब फॉर्म से जूझ रहे संजू सैमसन को प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया। उनकी जगह 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का मौका दिया गया। सैमसन को बाहर किए जाने के बाद टीम के हेड कोच गौतम गंभीर काफी देर तक सैमसन से बातचीत करते नजर आए। दोनों के बीच हुई चर्चा को खिलाड़ी का मनोबल बढ़ाने की कोशिश माना जा रहा है। इधर, सूर्यवंशी ने डेब्यू मैच के बाद इंस्टा पोस्ट के जरिए अपने फैंस शुक्रिया किया। वे इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में 10 गेंद पर 2 छक्कों के सहारे 14 रन बनाकर आउट हो गए। उनका स्ट्राइक रेट 140.00 का रहा। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे संजू सैमसन पिछले तीन टी-20 मुकाबलों में प्रभाव नहीं छोड़ सके। वे आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों में 0 और 5 रन ही बना पाए। जबकि, इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 में सात गेंद खेलकर सिर्फ एक रन बना सके।

मनोरंजन

मिस्टर परफेक्शनिस्ट' ने थामा गौरी स्प्रैट का हाथ, आमिर खान और गौरी स्प्रैट की हुई शादी

61 की उम्र में तीसरी बार दूल्हा बने आमिर खान

> शादी शुरू होने से पहले, आमिर की बेटी इरा खान और बेटे जुनैद खान को एक्टर के घर पहुंचते हुए देखा गया। 'लगान' फिल्म के डायरेक्टर आशुतोष गोवारिकर और एक्ट्रेस एली अवराम भी इस जश्न में शामिल होते हुए दिखे।

नई दिल्ली, एजेंसी

आमिर खान ने मुंबई के बांद्रा स्थित अपने घर पर एक निजी समारोह में अपनी लंबे समय की पार्टनर गौरी स्प्रैट से शादी कर ली है। दो साल से ज्यादा समय से साथ रह रहे इस कपल ने रविवार को अपने परिवारों और करीबी दोस्तों के बीच शादी की रस्में पूरी कीं।

आमिर खान (Aamir Khan) और गौरी स्प्रैट (Gauri Spratt) अब आधिकारिक तौर पर शादीशुदा हैं। इस प्राइवेट सेरेमनी में परिवार के सदस्य शामिल हुए, जिनमें आमिर की पिछली शादियों से हुए उनके बच्चे

भी शामिल थे। आमिर खान और गौरी स्प्रैट की पहली मुलाकात लगभग 25 साल पहले हुई थी, लेकिन उनका रिश्ता 2024 में तब शुरू हुआ जब वे आमिर की कजिन नुजहत खान के जरिए बेंगलुरु में दोबारा मिले, जहां गौरी उस समय रह रही थीं। इस कपल ने लगभग एक साल तक लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप में समय बिताया, जिसके बाद मार्च 2025 में अपने 60वें जन्मदिन के जश्न के दौरान आमिर ने गौरी को मीडिया के सामने अपनी 'पार्टनर' के तौर पर इंट्रोड्यूस किया।

आमिर की पर्सनल लाइफ

आमिर खान की पहली शादी 1993 में रीना दत्ता से हुई थी। कपल के दो बच्चे हैं- जुनैद खान और इरा खान। यह कपल लगभग 16 साल तक साथ रहा और 2002 में अलग हो गया। वहीं उनकी दूसरी शादी 2005 में किरण राव के साथ हुई। 2011 में सरोगेसी के जरिए इस कपल का बेटा आजाद राव हुआ। शादी के लगभग 16 साल बाद, 2021 में आमिर और किरण ने अलग होने का फैसला किया। हालाँकि, उन्होंने हमेशा यही कहा है कि वे अच्छे दोस्त बने रहेंगे, आजाद की परवरिश मिलकर करेंगे और साथ में प्रोफेशनल तौर पर भी काम करते रहेंगे।

लॉक अप 2 में इस कंटेस्टेंट की होगी पहली वाइल्ड कार्ट एंट्री

प्रोड्यूसर पर लगाया था फर्जी सेक्शुअल हैरेसमेंट का केस

नई दिल्ली। फराह खान और रितेश देशमुख का शो 'लॉक अप 2' इन दिनों काफी चर्चा में है। सोशल मीडिया पर इसकी कई सारी वीडियोज वायरल हो रही हैं। वहीं अब वर्ल्डवाइड कनटेस्टेंट शो में आकर और धमाल मचाने वाले हैं। पहली वाइल्डकार्ड एंट्री के साथ और भी रोमांचक होने वाला है।

मेकर्स ने कन्फर्म किया है कि 'भाबी जी घर पर हैं' की एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे इस रियलिटी शो के नए सीजन में एंट्री करेंगी। इस रियलिटी शो ने अपने ट्विस्ट और झगड़ों से दर्शकों को पहले ही बांधे रखा है। अब उम्मीद जताई जा रही है कि शिल्पा की एंट्री से घर के अंदर एक नया माहौल बनेगा। मेकर्स ने एक वीडियो के जरिए इसकी घोषणा की। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए प्रमोशनल वीडियो में उन्होंने कहा, "सुना है सब लोग अंदर अपनी-अपनी गद्दी पर बैठे हैं।

लेकिन उन्हें कह दो जब तक कोई बाहर का अंदर कदम नहीं रखता, तब तक ही उनका राज चलता रहेगा।" भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के पॉडकास्ट पर शिल्पा शिंदे ने 'भाबी जी घर पर हैं' शो छोड़ने से जुड़े विवाद के बारे में बात की थी। साल 2016 में शो के प्रोड्यूसर्स के साथ हुए कानूनी विवाद को याद करते हुए, एक्ट्रेस ने माना कि उस समय उन्होंने जो यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी, वह सच नहीं थी।

एक्ट्रेस बोलीं- लड़कियों के साथ रिलेशनशिप में रही हूं, उनकी तरफ अट्रैक्ट होती हूं

गौरव खन्ना से शादी से पहले बायसेक्सुअल थीं आकांक्षा चमोला

नई दिल्ली। एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला ने हाल ही में एक शो में बताया कि गौरव खन्ना से शादी से पहले वे बायसेक्सुअल थीं। लॉक अप सीजन 2 के एक एपिसोड के दौरान आकांक्षा ने कहा, ₹मैं शादी से पहले बायसेक्सुअल थी। मेरे कुछ लड़कियों के साथ रिलेशन रहे हैं। बहुत ज्यादा इंटिमेट रिलेशन नहीं रहे हैं, लेकिन मैं कुछ लड़कियों के साथ रिलेशनशिप में रही हूं और बस वही है। मतलब मुझे लड़कियां पसंद हैं। मैं उन्हें एडमायर करती हूं, मैं उनकी तरफ अट्रैक्ट होती हूं और मुझे लगता है कि यही मेरा सेफ स्पेस है। वहीं, आकांक्षा के बायसेक्सु-अल होने वाले बयान के बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने इसे सिर्फ पब्लिसिटी पाने का तरीका बताया। एक यूजर ने लिखा, यह सब सिर्फ पब्लिसिटी के लिए बोला गया है।₹दूसरे यूजर ने कहा, रियलिटी शोज का एक ही फॉर्मूला है, लोगों को चौंकाओ, ट्रेंड में आओ और फिर वही दोहराओ। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, ये सब शो चलाने के लिए किया गया ड्रामा है। सब पहले से स्क्रिप्टेड होता है।₹ आकांक्षा ने यह भी कहा था कि वे और गौरव पिछले एक साल से एक-दूसरे से अलग रह रहे हैं। उन्होंने गौरव से बातचीत में कहा था कि अगर वे इस वजह से अलग होना चाहते हैं, तो यह फैसला बिल्कुल सही है।

बच्चे न चाहने की वजह से अलग हो रहे

हाल ही में लॉक अप शो के दौरान आकांक्षा ने अपने पति गौरव खन्ना से अलग होने का एलान किया था। अपने को-कंटेस्टेंट्स श्रेया कालरा और सूफी मोतीवाला से बातचीत में उन्होंने इसकी वजह का खुलासा किया था। आकांक्षा ने बताया था कि शादी के बाद भी उनमें कभी बच्चों को लेकर 'मैटरनल इंस्टिंक्ट' (मां बनने की इच्छा) नहीं जागी।

उन्होंने शुरुआत में इसे समझने की कोशिश की, लेकिन बाद में उन्हें अहसास हुआ कि वे इसके लिए नहीं बनी हैं। आकांक्षा के मुताबिक, गौरव पहले इस बात से सहमत थे, लेकिन समय के साथ उनकी सोच बदल गई और अब उन्हें बच्चे चाहिए, जबकि आकांक्षा बच्चे नहीं चाहती हैं।

पाकिस्तानी एक्ट्रेस के नाम से वायरल पोस्ट फेक

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी एक्ट्रेस इकरा अजीज के नाम से एक पोस्ट वायरल है। इसमें दावा किया जा रहा है कि उन्होंने आलिया भट्ट और शरवरी स्टारर फिल्म अल्फा देखने की अपील की और लिखा कि 'अल्फा, धुरंधर का पाकिस्तान की तरफ से जवाब है।' साथ ही YRF का शुक्रिया भी अदा किया।

सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्म्स पर इकरा अजीज के नाम और तस्वीर के साथ पोस्ट शेयर किया जा रहा है। दावा है कि उन्होंने लिखा, Alpha जरूर देखिए। यह धुरंधर का पाकिस्तान की तरफ से जवाब है। शुक्रिया YRF।

इसी पोस्ट के आधार पर कई यूजर्स इकरा अजीज को ट्रोल कर रहे हैं और इसे सच मानकर शेयर भी कर रहे हैं। YRF से जुड़े सूत्रों ने भी इस पोस्ट को फर्जी बताया। उनके मुताबिक, इसे ट्रोलिंग और गलत जानकारी फैलाने के उद्देश्य से बनाया गया है। इसका YRF या फिल्म अल्फा के प्रमोशन से कोई संबंध नहीं है। वायरल तस्वीर का फॉर्मेट ऐसा है, जिसे आसानी से एडिट किया जा सकता है। फिलहाल ऐसा कोई विश्वसनीय सबूत नहीं मिला कि यह पोस्ट इकरा अजीज के आधिकारिक अकाउंट से किया गया था।

ईरान का जवाब- तुम्हारे पास न सभ्यता, न सम्मान खामेनेई के जनाजे में उमड़े लाखों लोग

एक हमले में ईरानी लीडरशिप खत्म कर सकते थे : ट्रम्प

बयान

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि खामेनेई के अंतिम संस्कार में ईरान का पूरा शीर्ष नेतृत्व मौजूद था और अमेरिका चाहे तो एक ही हमले में सभी को खत्म कर सकता था।

एक्सिओस से बातचीत में ट्रम्प ने कहा, "हालांकि मैंने कि ऐसा नहीं किया, क्योंकि फिर बातचीत के लिए कोई नहीं बचता।" ट्रम्प ने जनाजे में रो रहे लोगों पर भी तंज कसते हुए कहा कि शायद ये आंसू भी नकली हों। ट्रम्प के बयान पर ईरान ने पलटवार किया। आर्मेनिया स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर लिखा, "लोगों को मारा जा सकता है, लेकिन विचारों को नहीं। आपके पास न सभ्यता है, न इतिहास और न सम्मान।"

दूसरी तरफ तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसल्ला में खामेनेई के अंतिम दर्शन के लिए तीसरे दिन लाखों लोगों की भीड़ उमड़ी है। इस दौरान 'डेथ टु अमेरिका' और 'डेथ टु इजराइल' के नारे लगे।

अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुए। अंतिम संस्कार को देखते हुए सेना और पुलिस की भारी तैनाती की गई। मेट्रो और सरकारी बसें मुफ्त रहीं, होटलों में 50% तक छूट दी गई, 5,000 से ज्यादा स्कूलों में ठहरने की व्यवस्था की गई और दूसरे शहरों से विशेष ट्रेनें चलाई गईं। अंतिम यात्रा तेहरान से शुरू होकर कोम, इराक के करबला और नजफ होते हुए 9 जुलाई को मशहद पहुंचेगी, जहां उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। अंतिम संस्कार के दौरान अमेरिका-ईरान के बीच चल रही अप्रत्यक्ष वार्ता फिलहाल रोक दी गई है। साथ ही ईरान ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु ठिकानों के निरीक्षण की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

ईरान की राजधानी तेहरान में पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के तीसरे दिन लाखों लोग पहुंचे हैं।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तेहरान में हमास और हिजबुल्लाह के प्रतिनिधिमंडलों से अलग-अलग मुलाकात की। दोनों संगठन खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने ईरान पहुंचे हैं।

ईरानी सेना बोली- सीजफायर का इस्तेमाल ताकत बढ़ाने में कर रहे

ईरानी सेना के ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद अकरमिनिया ने कहा कि सीजफायर का इस्तेमाल सेना की ताकत बढ़ाने में किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम एक पल भी बर्बाद नहीं करेंगे और अपनी सैन्य तैयारियां लगातार मजबूत करेंगे।

अकरमिनिया ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी देते हुए कहा, अगर दुश्मन ने कोई गलती की तो ईरानी सशस्त्र बल उसे करारा और निर्णायक जवाब देंगे।

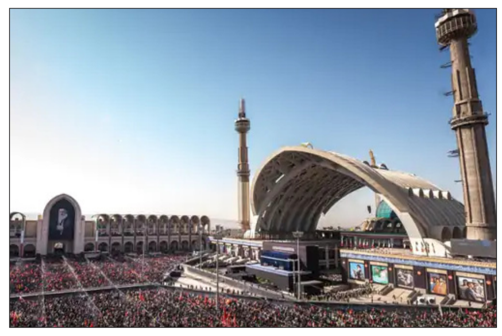

खामेनेई के जनाजे की नमाज के दौरान उमड़ी लाखों लोगों की भीड़।

रूस बोला- होर्मुज ईरान का 'परमाणु हथियार'

रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट ईरान का 'परमाणु हथियार' है। उन्होंने कहा कि इस रास्ते पर नियंत्रण से ईरान पूरी दुनिया के तेल कारोबार पर दबाव बना सकता है। मेदवेदेव के मुताबिक अगर ईरान इस समुद्री रास्ते पर आवाजाही रोकता है, तो पूरी दुनिया के तेल कारोबार और सप्लाई पर असर पड़ सकता है।

गाजा-लेबनान में इस्राइल की कार्रवाई पर भड़के पेजेशकियन

तेहरान, एजेंसी

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शनिवार (स्थानीय समय) को पश्चिम एशिया में इस्राइल की कार्रवाइयों की निंदा की। उन्होंने अमेरिका पर इस्राइल को समर्थन देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बुद्धिजीवियों, वैज्ञानिकों और प्रभावशाली लोगों को निशाना बनाकर हत्याएं की गई हैं। समाचार एजेंसी आईआरएनए ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

वैश्विक संस्थाओं पर क्या कहा?

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन तेहरान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'इमाम खामेनेई; द इटरनल लीडर ऑफ रेजिस्टेंस' में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रभाव पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं मानवाधिकारों की रक्षा का दावा करती हैं। लेकिन ऐसी घटनाओं को रोकने में विफल रही हैं।

'विभाजन देता है बाहरी ताकतों को तनाव बढ़ाने का मौका'

पेजेशकियन ने कहा, अगर इस्लामी देश मिलकर काम करें तो गाजा, लेबनान और फलस्तीन में संघर्ष और मानवीय संकट को रोका जा सकता है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस्लामी संप्रदायों और जातीय समूहों में विभाजन बाहरी ताकतों को क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का मौका देता है।

राष्ट्रपति ने घरेलू और विदेशी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन इस्लामी दुनिया में एकता और सहयोग को मजबूत करेगा तथा हिंसा, आतंकवाद और प्रभुत्व (दबदबे) की नीतियों के खिलाफ मिलकर काम करने की प्रेरणा देगा।

फास्ट न्यूज

अमेरिका में बजा भारत का डंका

न्यूयॉर्क। भारतीय नौसेना के नौकायन प्रशिक्षण पोत INS सुदर्शिनी ने अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत न्यूयॉर्क में आयोजित भव्य 'परेड ऑफ सेल' में हिस्सा लिया। 'लोकायन 2026' अभियान के तहत 13,000 नॉटिकल मील की दूरी तय कर पहुंचे इस स्वदेशी जहाज ने हडसन नदी पर तिरंगा लहराकर भारत की समुद्री ताकत और कूटनीति का लोहा मनवाया।

आजादी का जश्न छोड़ मुस्लिम जलसे में पहुंचीं न्यूयॉर्क मेयर की पत्नी रमा दुवाजी

न्यूयॉर्क । शहर के मेयर जोहरान ममदानी एक तरफ जहां अमेरिका के 250वें स्थापना दिवस के आधिकारिक कार्यक्रमों में मशगूल हैं, वहीं उनकी पत्नी रमा दुवाजी का स्पेन में होना नई राजनीतिक बहस छेड़ चुका है।

खबर है कि अमेरिका 250 के समारोहों से ठीक पहले, सीरियाई-अमेरिकी कलाकार रमा दुवाजी को नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर देखा गया था। वह स्पेन के पाल्मा, मैलोर्का की उड़ान भर रही थीं।

पीओके में बढ़ा पाक सरकार का विरोध

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के रावलाकोट में आयोजित एक जनसभा में पाकिस्तान की सेना और प्रशासन पर नागरिकों के दमन के साथ मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगाए गए। सभा में विदेशों में रह रहे कश्मीरियों से 5 जुलाई को व्यापक विरोध प्रदर्शन करने की अपील की गई। प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्र में महंगाई, इंटरनेट बंदी, खाद्य आपूर्ति में बाधा और आवाजाही पर प्रतिबंध जैसे मुद्दे भी उठाए।

सरकार ने एलएनजी सप्लाई पर लगी रोक हटाई

अमेरिका-ईरान जंग रुकने से स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से शिपमेंट शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में लिक्विफाइड नेचुरल गैस यानी LNG की सप्लाई अब सामान्य हो गई है। केंद्र सरकार ने अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध के दौरान देश में लागू किए गए 'इमरजेंसी नेचुरल गैस सप्लाई रेगुलेशन ऑर्डर' के आदेशों को वापस ले लिया है। LNG का उपयोग इंडस्ट्रीज में ज्यादा होता है, ऐसे में इस फैसले से इंडस्ट्रीज को राहत मिलेगी।

यह फैसला पश्चिम एशिया में सीजफायर (युद्धविराम) होने और 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' से लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) के जहाजों की आवाजाही दोबारा सामान्य होने के बाद लिया गया है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय ने इस संबंध में शनिवार को नया नोटिफिकेशन जारी किया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से गैस और तेल की सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई थी। इसके बाद कई विदेशी सप्लायर्स ने भारत आने वाले गैस कार्गो को रोक दिया था या दूसरे देशों की तरफ डाइवर्ट कर दिया था। इस संकट से निपटने के लिए सरकार ने 9 मार्च 2026 को एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट यानी आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत देश में गैस सप्लाई को रेगुलेट करने का आपातकालीन आदेश जारी किया था। LNG सप्लाई पर लगी रोक को हटाना सरकार का तीसरा बड़ा कदम है। इससे पहले सरकार दो और आपातकालीन फैसले वापस ले चुकी है। तेल रिफाइनरियों को पेट्रोकेमिकल इनपुट रोककर LPG का प्रोडक्शन ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने का निर्देश दिया गया था, जिसे हटा लिया गया है।

खामेनेई के अंतिम संस्कार में ट्रंप के खिलाफ लगे भड़काऊ नारे

'जिसने हमारे इमाम को मारा, वो जिंदा क्यों है'

मांग

तेहरान, एजेंसी

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार कार्यक्रम चल रहा है। इस शोक कार्यक्रम को लेकर ईरान की राजधानी तेहरान में लाखों लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है। इन भारी भीड़ के बीच एक कलाकार ने ट्रंप का नाम लिए बिना उनके हत्या की मांग की। कवि मोहम्मद रसौली ने पूर्व सुप्रीम लीडर खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह में लाउडस्पीकर पर बोलते हुए, ट्रंप का जिक्र करते हुए (बिना सीधे नाम लिए) भीड़ से पूछा, दुनिया का सबसे नीच आदमी अभी भी जीवित क्यों है?

इस सवाल पर भीड़ 'अमेरिका मुर्दाबाद और इजरायल मुर्दाबाद' के नारे लगाने लगी। इसके बाद रसौली ने कहा कि ट्रंप के लिए दुनिया अब रहने लायक जगह नहीं रही, जिस पर शोक मनाने वालों ने एक बार फिर तालियां बजाईं। अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम के दौरान 97 वर्षीय शिया धर्मगुरु अयातुल्ला जाफर सोभानी ने तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों के लिए अंतिम संस्कार की प्रार्थना का नेतृत्व किया।

> **रविवार को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में एक कलाकार ने 'अपने इमाम की हत्या करने वाले व्यक्ति' की 'मौत' की मांग की, जिस पर तेहरान में एकत्रित सैकड़ों हजारों शोक संतप्त लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं।**

ट्रंप और नेतन्याहू के हत्या वाले पोस्टर

अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या की मांग करने वाले बैनर, पोस्टर और भित्तिचित्र भी प्रदर्शित किए गए थे। इस दौरान वहां मौजूद लाखों लोगों की भीड़ ने अमेरिका और इजरायल मुर्दाबाद के नारे लगाए।

> **इस दौरान ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर कलीबाफ, रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल अहमद वाहिदी, कुद्स फोर्स के कमांडर इस्माइल कानी और खामेनेई के बेटे मसूद, मेसम और मुस्तफा उपस्थित रहें।**

अमेरिकी अस्पताल ने नर्स को नौकरी से निकाला, टेक्सास की नर्स को नौकरी से निकाला गया

मरीजों की राजनीति पर रील बनाना पड़ा भारी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के टेक्सास में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास मेडिकल ब्रांच (UTMB) ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो को देखने के बाद एक नर्स को नौकरी से निलाकर दिया। इस वीडियो में नर्स ने 'फॉक्स न्यूज' चैनल देखने वाले मरीजों का इलाज करने से बचने को लेकर एक मजाकिया रील बनाई थी।

दरअसल, 'नर्स अहलाम' के नाम से पहचानी जाने वाली इस नर्स ने एक छोटा वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह किसी मरीज के कमरे से बाहर निकलती हुई दिखाई दे रही थी। वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा था, जब मैं अपने मरीज के कमरे में जाती हूं और फॉक्स न्यूज चल रहा होता है। जबकि बैकग्राउंड में व्हिटनी ह्यूस्टन का गाना 'आई विल ऑलवेज लव यू' बज रहा था, जिसमें खास तौर पर ये बोल थे कि हम दोनों जानते हैं कि मैं वो नहीं हूं जिसकी तुम्हें जरूरत है। कई टिक Tik Tok यूजर्स का तर्क था कि इस वीडियो से स्वास्थ्यकर्मियों पर जनता का भरोसा कम हुआ है और यह चिंता भी जताई गई है कि क्या मरीजों को निष्पक्ष इलाज मिलेगा। वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुए विरोध को देखते हुए यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास मेडिकल ब्रांच ने एक आंतरिक समीक्षा शुरू की। यूनिवर्सिटी ने बाद में पुष्टि की कि कर्मचारी को अब नौकरी से निकाल दिया गया है। यूनिवर्सिटी ने नौकरी से निकालने की वजह बताते हुए कहा कि वीडियो में नर्स का व्यवहार उसके मूल्यों और प्रत्येक रोगी को करुणापूर्ण, निष्पक्ष देखभाल प्रदान करने की उसकी प्रतिबद्धता के विपरीत था। यूटीएमबी ने X पर लिखा, गुरुवार दोपहर को, यूटीएमबी को एक संविदा कर्मचारी द्वारा किए गए सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में पता चला और उसने तुरंत जांच शुरू कर दी। जांच के परिणामस्वरूप, उसी शाम कर्मचारी का अनुबंध समाप्त कर दिया गया।

राजनीतिक रूप से पेश किया गया वीडियो

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने व्यापक रूप से समझा कि वह रूढ़िवादी समाचार चैनल देखने वाले मरीजों का इलाज करने से परहेज करेंगी। हालांकि, इस वीडियो को राजनीतिक व्यंग के रूप में पेश किया गया। लेकिन इस वीडियो ने लोगों में तुरंत आक्रोश पैदा कर दिया, क्योंकि स्वास्थ्य पेशेवरों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सभी मरीजों को बिना किसी भेदभाव के, उनकी राजनीतिक मान्यताओं या व्यक्तिगत विचारों की परवाह किए बिना, देखभाल प्रदान करें।

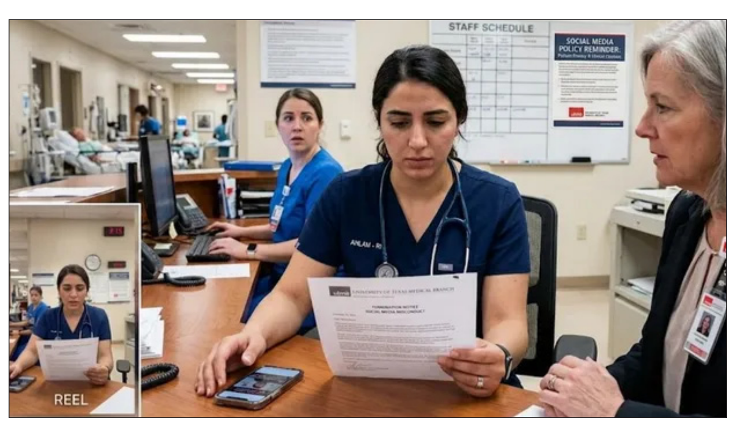

टिकटॉक पर वायरल होते ही बढ़ा विवाद

यह विवाद तब और तूल पकड़ लिया जब Tik Tok के कुछ यूजर्स ने X पर वीडियो का आठ सेकंड का एक छोटा सा क्लिप दोबारा पोस्ट किया, जिसे लाखों लोगों ने देखा। पोस्ट के स्क्रीनशॉट तेजी से सोशल मीडिया पर फैल गए, और कई यूजर्स ने उन पर स्वास्थ्यकर्मियों के नैतिक दायित्वों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

चीन को जवाब देने के लिए ताइवान का 'मास्टरस्ट्रोक'

ताइपे, एजेंसी

ताइवान अपनी रिजर्व मिलिट्री व्यवस्था में बड़े बदलाव कर रहा है। असके तहत अनिवार्य रिजर्व ट्रेनिंग की अवधि 7 दिन से बढ़ाकर 14 दिन की जा रही है और ड्रोन ऑपरेशन व अमेरिका में बने 'हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम' को शामिल किया जा रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि गिरती जन्म दर और चीन से बढ़ते सैन्य दबाव के बीच सैनिकों की कमी निपटा जा सके। दशकों में ताइवान की रिजर्स फोर्स में किए गए इन सबसे बड़े बदलावों का मकसद द्वीप की रक्षा क्षमताओं को मदबूत करना है, क्योंकि सैन्य सेवा के लिए योग्य लोगों की संख्या लगातार घट रही है।

'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल से ताइवान ने अपने पुराने 5 से 7 दिन के रिवर्स कॉल-अप प्रोग्राम की जगह सभी योग्य रिजर्व सैनिकों के लिए 14 दिन का अनिवार्य ट्रेनिंग कोर्स शुरू किया है।

रिजर्व सैनिकों को मिलेगी ड्रोन और अमेरिकी एचआईमार्स की ट्रेनिंग

कू ने कहा, ड्रोन और अमेरिका में बने 'हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम' जैसे नए सिस्टम की ट्रेनिंग के अलावा, रिजर्व सैनिक अपनी उन यूनिट्स में लौटेंगे जो एक्टिव ड्यूटी के दौरान उनकी भूमिकाओं से मेल खाती थीं। यह सेना की 'कर्मियों को उनकी मूल स्थिति में वापस लाने' की नीति के तहत किया जाएगा।

उत्पीड़न : पाक के डिप्टी पीएम के पोते की गिरफ्तारी में खुलासा, कोर्ट के सामने दिए बयान में आरोप लगाया

क्रिप्टो करेंसी के लिए विदेशी महिलाओं का किडनैप कर किया गैंगरेप

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में दो विदेशी महिलाओं से अपहरण और गैंगरेप मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जांचकर्ताओं के अनुसार, इस घिनौने कृत्य के पीछे फिरौती का नहीं, बल्कि लाखों डॉलर के क्रिप्टोकरेंसी विवाद का खौफनाक कनेक्शन सामने आ रहा है।

समाचार एजेंसी पीटीआई ने पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि इस मामले में मुख्य आरोपी कोई और नहीं, बल्कि पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार का पोता, रजा डार है।

दरअसल, नीदरलैंड और वेनेजुएला की पीड़ित महिलाओं ने कोर्ट के सामने दिए बयान में आरोप लगाया है कि उन्हें बंधक बनाकर न सिर्फ उनका यौन उत्पीड़न किया गया, बल्कि बंदूक की नोक पर उनकी क्रिप्टो करेंसी के पासवर्ड और पैसे भी मांगे गए।

पाकिस्तान में गैंगरेप और किडनैपिंग मामले में फंसा डिप्टी पीएम का पोता

एस्ट्रिड के बयान के अनुसार, पाकिस्तान पहुंचने के तुरंत बाद हथियारबंद लोग लाहौर स्थित उस आवास में घुस गए, जहां वह और उसकी दोस्त स्टेफानी एड्रियाना ठहरी हुई थीं।

पीड़ितों में से एक, एस्ट्रिड गैब्रिएला रॉबिन्सन ब्राचो का बयान जज के सामने दर्ज होने के बाद खुलासा हुआ है कि हमलावरों ने मुझे बंधक बनाने के बाद फिरौती नहीं बल्कि बार-बार क्रिप्टो करेंसी की मांग कर रहे थे। इशाक डार का पोता रजा डार लगातार पैसे और पासवर्ड की मांग करता रहा।

कैद के दौरान यौन उत्पीड़न

एस्ट्रिड ने मजिस्ट्रेट को बताया कि बाद में उसे ऊपर के एक बेडरूम में ले जाया गया, जहां उसने आरोप लगाया कि दो पुरुषों ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया, इस दौरान एक अन्य व्यक्ति राइफल लेकर पहरा दे रहा था। पीड़ित महिला ने मजिस्ट्रेट के सामने कि जब मैं रो रही थी तो वे हंस रहे थे, उसने मुझे थप्पड़ मारकर चुप रहने को कहा। उसने यह भी दावा किया कि रजा डार ने पैसे हासिल करने के प्रयास में उसके मोबाइल फोन का इस्तेमाल करके उसके जान-पहचान के लोगों से संपर्क किया। शुरू में किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। बाद में उसे पता चला कि स्टेफानी की मां ने 100,000 डॉलर का इंतजाम कर लिया था। एस्ट्रिड ने आरोप लगाया कि पैसे मिलने के बाद, डार ने उन्हें बताया कि वे जाने के लिए स्वतंत्र हैं, उनके पासपोर्ट लौटा दिए और उन्हें हवाई अड्डे की ओर ले गया।

अदाणी मामले पर अमेरिकी न्याय विभाग का बड़ा बयान

कहा- दर्ज ही नहीं होना चाहिए था केस

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी न्याय विभाग ने भारतीय अरबपति गौतम अदाणी और अन्य सात लोगों के खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले को वापस लेने के अपने निर्णय का मजबूती से बचाव किया है।

विभाग ने एक फेडरल जज की अदालत में दाखिल 10 पेजों के दस्तावेज में कहा कि अभियोजन कानूनी रूप से दोषपूर्ण, कूटनीतिक रूप से नुकसानदेह और ट्रंप प्रशासन की इंफोर्समेंट प्राथमिकताओं के अनुरूप नहीं था। इसे एक साल पहले ही बंद कर दिया जाना चाहिए था या फिर इसे शुरू ही नहीं किया जाना चाहिए था। डीओजे का यह जवाब तब आया जब अमेरिकी जिला जज निकोलस गरौफिस ने विभाग से जानना चाहा था कि वह चार्जशीट को हमेशा के लिए क्यों खत्म करना चाहता है। डीओजे की पहले की याचिका में केस को खत्म करने की वजह स्पष्ट तौर पर नहीं बताई गई थीं। इसलिए उन्होंने विभाग से अपने फैसले के पीछे की वजहों की पूरी जानकारी मांगी थी। असल में 2024 में अमेरिका की पिछली बाइडन सरकार के दौरान डीओजे ने अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी और अन्य के खिलाफ आरोप लगाया था कि वे भारतीय सरकारी अधिकारियों को 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने और अन्य संस्थाओं से अरबों डॉलर के निवेश प्राप्त करने के लिए निवेशकों से झूठ बोलने की एक साजिश में शामिल थे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676